क्षमा वीरस्य भूषणं
महासभा एवं जैन गजट परिवार

'क्षमावाणी महापर्व विशेषांक

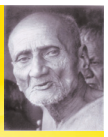

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

आचार्य श्री शांति सागर जी

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 29 अंक 48 कुल पृष्ठ 20 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 25 सितम्बर 2023, वीर नि. संवत् 2549

Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

आचार्य श्री शांति सागर जी भरत क्षेत्र के सूर्य हैं

- आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

उदयपुर। सकल दिगंबर जैन समाज उदयपुर द्वारा प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज के 68 वे अंतर्विलय समाधि वर्ष के उपलक्ष्य में दिनांक 16 एवं 17 सितम्बर को दो दिवसीय विनयांजलि के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। धर्म सभा में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने मंगल देशना में बताया कि उत्तर भारत में जितने भी साधु हैं वह आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज की देन हैं। उन्हें चारित्र सूर्य के रूप में स्मरण किया जाता है। जिस प्रकार जंबू दीप में दो सूर्य हैं, उसी प्रकार भरत क्षेत्र में प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान और प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज सूर्य हैं। भगवान श्री आदिनाथ ने धर्म तीर्थ का प्रवर्तन किया वहीं आचार्य श्री शांति सागर जी ने मुनि चारित्र धर्म का प्रवर्तन किया। पूर्व में दक्षिण भारत में जो साधु थे उनके चरित्र में निर्मलता नहीं थी। जिस प्रकार सूर्य पूर्व दिशा में उदित होकर पश्चिम दिशा में अस्त होता है वैसे आचार्य शांति सागर जी दक्षिण भारत में उदित हुए। आपने चरित्र के प्रवर्तन के लिए दक्षिण से लेकर उत्तर संपूर्ण भारत में मंगल विहार कर अपने प्रवचन उपदेश के माध्यम से प्रचार प्रसार किया। भारत में जैन साधुओं के दर्शन आचार्य शांति सागर जी की देन हैं क्योंकि सभी को यह सौभाग्य मिल रहा है नहीं तो साधुओं के दर्शन दुर्लभ हो जाते हैं। आचार्य शांति सागर जी ने दुर्लभता को सुलभता प्रदान की। एक उदाहरण में आचार्य श्री ने मंगल देशना में बताया कि उद्योगपति उद्यम व्यापार के माध्यम से भौतिक आर्थिक विकास करते हैं, आचार्य शांति सागर जी भी आध्यात्मिक उद्योगपति रहे। उन्होंने चरित्र के जितने भी अंग हैं उनका जीवन में परिपालन कर अपने जीवन को प्रयोगशाला बनाया, उन्होंने अनेक, सिंह के, सर्प के, चींटी के, मकोड़े के, उपसर्ग को क्षमता भाव से सहन किया। जिनवाणी को तांबे पर अंकित कराया। जिन मंदिर जैन धर्म की संस्कृति की रक्षा के लिए 1105 दिन अन्न आहार नहीं लिया। आपने 40 वर्ष के साधु जीवन में 9938 उपवास किए।

उदयपुर का सौभाग्य है कि सन 1934 में आचार्य श्री का चातुर्मास आयड उदयपुर में हुआ। आचार्य शांति सागर जी को निर्दोष चर्या के कारण सन 1924 में समडोली में आचार्य पद दिया गया। सन 2024 में आचार्य पद प्रतिष्ठापना को 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उदयपुर से शताब्दी आचार्य पदारोहण का शुभारंभ हो चुका है। भारतवर्ष में नहीं पूरे विश्व में आचार्य शांति सागर जी का शताब्दी वर्ष मनाया जाना चाहिए। आपने श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जी गंगवाल एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रकाशचन्द्र जी बड़जात्या चेन्नई को प्रेरणा दी कि महासभा विस्तृत कार्य योजना बनाकर आचार्य श्री शांति सागर जी का शताब्दी महोत्सव मनाने के लिए संकल्पित हो। आचार्य श्री के मंगल प्रवचन के पूर्व प्रात 7:00 बजे नगर के प्रमुख मार्गों में आचार्य शांति सागर जी के जीवन, उपसर्ग, दीक्षा 41 वर्ष के संयम जीवन को दर्शाने वाली विभिन्न झांकियां नगर के समाज के विभिन्न सामाजिक धार्मिक मंडलों द्वारा बनाई गईं। चारित्र चक्रवर्ती शोभायात्रा में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी भी संघ सहित शामिल हुए। शोभायात्रा का समापन हूमड भवन में हुआ। जहां संघ के मंचासीन होने के बाद आचार्य शांति सागर जी महाराज सहित पूर्वाचार्यों के चित्र का **शेष पृष्ठ 09 पर.........**

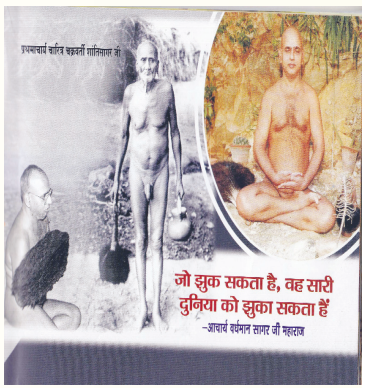

Vayudoot Group

Vayudoot WORLD TRAVELS INDIA PVT. LTD
Vayudoot DESTINATION WEDDINGS & EVENTS
Vayudoot GROCERIES
Vayudoot CATERERS

+91 9313338256, 9810408256, 9818312056

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

869 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

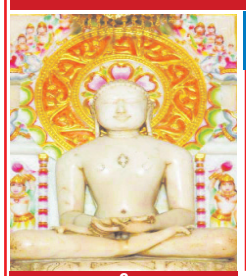

शांतिधारा का प्रसारण

LIVE

आरती : 7:15 - 7:45 AM

शांतिधारा : 8:30 AM

@jainmandirhasteda

नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:

अमित शर्मा (Manager)-9783016885

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

हस्तेड़ा जैन मंदिर
दूरी-दिल्ली से 250 किमी. एवं जयपुर से 65 किमी.

संपर्क सूत्र:
नितिन कुमार पाटनी (मंत्री)
9001255955
मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष)
095880-20330

JK MASALE SINCE 1957

Buy online on jkcart.com

– Breakfast Matlab –

JK POHA

Shudh Khao Swasth Raho...

'क्षमा वीरस्य भूषणम'

"सुखी रहें सब जीव जगत के, कोई कभी ना घबराये।
बैर-पाप-अभिमान छोड़कर, नित्य नये मंगल गायें।"

जीवन यात्रा में चलते-चलते स्वार्थ, मोह, अज्ञानवतावश हुई समस्त भूलों के लिये सच्चे उदार हृदय से क्षमा याचना करते हुये हम आपके स्नेही मैत्री भाव की कामना करते हैं। दशलक्षण महापर्व की सानंद सम्पन्नता एवं क्षमावाणी महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं हम सभी की ओर से आप सभी से उत्तम क्षमा

गजराज जैन गंगवाल
नई दिल्ली
राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

रमेशचंद जैन तजारिया
जयपुर
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर महासभा
एफ-32, घीया मार्ग, बनी पार्क, जयपुर (राज.)
मो. 8290950000

प्रकाशचन्द्र जैन बड़जात्या
चेन्नई
राष्ट्रीय महामंत्री
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

पवन जैन गोधा
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
24/6, शक्ति नगर, दिल्ली
मो. 9311198985

एडवोकेट विकास जैन
दिल्ली
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-
श्री भा. दिग. जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा
ट्रस्टी- श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा चेरिटेबल ट्रस्ट

मनोज कुमार जैन
मनोनीत निगम पार्षद, दिल्ली 4864, जैन भवन, 24 दरिया गंज, न्यू दिल्ली-110002
मो. 9355544145, 9810006166

देवेन्द्रकुमार मोहनलाल काला
कार्याध्यक्ष-धर्म संरक्षिणी महासभा महाराष्ट्र प्रान्त
योगायोग मोहनलाल नगर, कलेक्टर ऑफिस के सामने
औरंगाबाद (महाराष्ट्र) 431001
मो. 09823617001

सुरेश कुमार बाकलीवाल
सुरेश कुमार जैन एण्ड कम्पनी
टी. आर. फूकन रोड, फैन्सी बाजार
गुवाहाटी (आसाम) 781001
मो. 9435040061, 9401511111

अनिल कुमार जैन
केन्द्रीय प्रबंधकारिणी सदस्य
श्री भारतवर्षीय दिग. जैन महासभा
प्रथम तल, 193 तीर्थ प्लाजा, शापिंग सेण्टर, कोटा (राज.) 324007, मो. 9214330220

नरेन्द्र कुमार जैन सेठी
ए-101, अत्रैपथ, श्यामनगर
(नियर मनु हॉस्पिटल)
जयपुर (राज.) 302019
मो. 9351165727

एम. सी. जैन
पत्रकार
चिखलठाना
जैन गजट संवाददाता
मो. 09820384920

अशोक जैन
113, सनसिटी कॉलोनी, रूड़की रोड, मेरठ (एनसीआर)
हाल- ओमेक्स आर-1, निकट पोलिस हेड क्वार्टर, शहीद पथ, लखनऊ
मो. 9044000018

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...
SANTOSH JAIN & ASSOCIATEL
SWATI VINIMAY & CONSULTAN PVT. LTD
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.

OFFICE
CITY TRADE CENTER,
PNB Building, 4th Floor, A.T. Road, Guwahati-781001
M. : 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 99574-97927

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस काला

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H.S.Road, Chhatribari, Guwahati-781008
E-mail : casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

अयोध्या में दिगम्बर जैन सर्वजातिय सम्मेलन 27 अक्टूबर को

राजेन्द्र जैन 'महावीर'

अयोध्या। प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव जन्म भूमि दिगम्बर जैन तीर्थ बड़ी मूर्ति अयोध्या उत्तर प्रदेश में दिगम्बर जैन सर्वजातिय सम्मेलन का भव्य आयोजन शुक्रवार, 27 अक्टूबर 2023 को दोपहर 1 बजे से किया जावेगा। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन सर्वजातिय महासंघ के अध्यक्ष कर्मयोगी पीठाधीश स्वस्तिश्री रविन्द्रकीर्ति स्वामी एवं महामंत्री हंसमुख जैन गांधी इन्दौर ने बताया कि सर्वप्राचीन दीक्षित गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमति माताजी के 72वें संयम दिवस व 90वीं जन्म जयंती शरदपूर्णिमा ज्ञानांजलि महोत्सव के शुभ अवसर पर पूज्य माताजी के सान्निध्य व आशीर्वाद से यह आयोजन होगा। जिसमें समस्त जैन जातियां यथा-अग्रवाल, खण्डेलवाल, हूमड़, बघेरवाल, सेतवाल, गोलापूर्व, गोलालारे, जैसवाल, कठनेरा, समैया, पोरवाल, पोरवाड़, नरसिंहपुरा, चतुर्थ, पंचम, लमेचु, पद्मावती पोरवाल (मालवा व उत्तरप्रदेश) पल्लीवाल, परवार, खरौआ, कासार गोल सिंगारे, नागदा, चितोड़ा आदि दिगम्बर जैन जातियों के संगठन

व उनके पदाधिकारी सम्मिलित होकर सामाजिक एकता, सामाजिक संगठनों की मजबूती व उनके कार्यों को गति प्रदान करने का मार्गदर्शी आयोजन होगा।

माताजी का आशीर्वाद प्राप्त होगा - हंसमुख गांधी

वरिष्ठ समन्वयी समाजसेवी हंसमुख गांधी इन्दौर ने बताया कि पूर्व में प्रथम दिगम्बर जैन जातिय सम्मेलन सिद्धवरकूट में संपन्न हुआ था। पूज्य ज्ञानमति माताजी वर्तमान में सबसे प्राचीन दीक्षित आर्यिका हैं जिन्होंने सैकड़ों ग्रंथों की रचना की है। उनके 90वां जन्म दिवस के पूर्व 27 अक्टूबर को अयोध्या में यह आयोजन अत्यंत प्रासंगिक है। 28 अक्टूबर शरद पूर्णिमा को पूज्य माताजी का जन्म दिवस समारोह भी है। सम्मेलन में सम्मिलित होने वाले समाजजनों की संपूर्ण व्यवस्थाएं अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी द्वारा की जायेंगी। अयोध्या पहुंचने के लिए रेल व लखनऊ एयरपोर्ट व रेल्वे स्टेशन से पहुंचा जा सकता है। लखनऊ से अयोध्या 130 कि. मी. दूर है। अपने आगमन की सूचना 9520554138, 9520554171 पर देकर अपनी आवास व्यवस्था सुनिश्चित कर सकते है। श्री गांधी ने देशभर के दिगम्बर जैन जातिय संगठनों के पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि समाज हित में उक्त आयोजन में अवश्य पधारें।

मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी एवं आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज राजकीय अतिथि घोषित

अनिल जैन (कनाड़ा)

आगरा में चातुर्मास कर रहे पूज्य निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज एवं बड़ौत में विराजमान परम पूज्य आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज को उत्तर प्रदेश सरकार ने राजकीय अतिथि घोषित किया है। राजकीय अतिथि के तहत चातुर्मास काल के दौरान प्रोटोकाल सम्बंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि इनके स्वागत, सुरक्षा, ठहरने, भोजन एवं वाहन इत्यादि की समुचित व्यवस्था सुनिचित किया जाये। इस आशय का आदेश दिनांक 21 सितम्बर 2023 को संयुक्त सचिव मुख्यमंत्री एवं प्रोटोकाल उ. प्र. शासन द्वारा जारी किया गया है, जिसकी प्रति श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष को दी गई है। श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा ने इसके लिये उ. प्र. सरकार एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार प्रकट किया है साथ ही आचार्य धनेंद्र जैन अर्हत परंपरा, गोरखपुर एवं श्री पुष्पदंत जी जैन, अध्यक्ष, गोरखपुर जैन समाज एवं दर्जा प्राप्त मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों की सराहना एवं अनुमोदना करते हैं, उत्तर प्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का भी बहुत-बहुत आभार प्रकट किया है।

लखनऊ में आचार्य श्री विशद सागर जी के सान्निध्य में हुई भारी धर्म प्रभावना

ब्र. प्रदीप भैय्या

लखनऊ। परम पूज्य वर्तमान के सर्वाधिक 300 प्रकार के पूजन विधान के रचयिता आचार्यश्री 108 विशद सागर जी महाराज का चारबाग, लखनऊ में पावन वर्षायोग भारी धर्म प्रभावना के साथ चल रहा है। आशियाना, चौक, काकोरी, सहादत गंज, डालीगंज, यहियागंज स्थित जिनालयों में

गुरूवर के संघ सान्निध्य में भव्य संगीतमय पूजा-विधानों का भव्य आयोजन हुआ। मुनिश्री विशाल सागर जी ने बताया कि श्री आदिनाथ जिनालय यहियागंज में भव्य समवशरण की रचना पर 108 इन्द्र-इन्द्राणी के सान्निध्य में अभिनव कल्पतरू विधान 6 से 16 सितम्बर तक सम्पन्न हुआ। समवशरण में गुरूवर की दिव्य देशना प्रवचन शंका समाधान का भी भक्तगण भरपूर लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सकल जैन समाज में हर्ष की लहर व्याप्त है।

उदयपुर (राज.) में ससंघ विराजमान
परम पूज्य वात्सल्य वारिधि, जिन धर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज एवं समस्त मुनि संघ के चरणों में
शत् शत् नमन, शत् शत् वंदन
नमनकर्ता: राजेन्द्र कुमार जैन/भागचन्द्र जैन एवं समस्त छाबड़ा परिवार
'Manik Ratan Bldg', By lane Kamal Patrol Pump, H. B. Road, Machkhowa, Guwahati - 781009 Cell : 919435111035

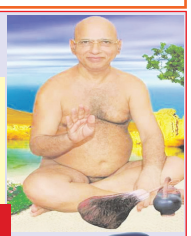

Jain Group

निर्मल - पुष्पा बिन्दायका
बगरू निवासी कोलकाता प्रवासी
EVER GREEN be positive get positive
Evergreen Hosiery Industries Pvt. Ltd.
Corp. Regd. Office : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor
Opp. : Moonlight Cinema, Kolkata - 700 073 (W.B.)
Mobile : 033 4001 0686, 91633 91228, 80131 20773
Email : evergreenhosieryindustries@yahoo.com
Website : www.evergreenhosieryindustries.com
Hello Bebe
LITTLE POPS KIDS WEAR
Young India Fashions
Corp. Off. : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor, Opp. : Moonlight Cinema
Kolkata - 700 073 (W.B.) Mob. : 98300 05085, 98302 75490
Factory : Regent Garments & Apparel Park, Block - 23, 5th Floor, Jessore Road
Near Fortune Township, Dist. - 24 Parganas (N) - 743294, Mob. : 98311 31838
MAHAVEER SAREE
Address : 446, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 75750 41434
EVERGREEN CREATION
Address : 369, Abhishek Textile Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 97279 82406, 98280 18707

मान्यवर ,

जय जिनेन्द्र

आज के व्यस्त जीवन में अज्ञान या प्रमादवश, जाने या अनजाने में आचार, विचार, वाणी या लिखित रूप से व्यक्तिगत, पारिवारिक, व्यावसायिक, सामाजिक एवम् अन्य जिम्मेदारियों में उलझे मनुष्य से भूल हो जाना स्वाभाविक है।

अतः इस क्षमावाणी के महापर्व पर विगत वर्षों में हुई समस्त भूलो के लिए आप से करबद्ध क्षमा-याचना करते है और भविष्य में आपसे और प्रगाढ़ मैत्रीपूर्ण सम्बंध स्थापित हो, ऐसी जिनेद्र भगवान से कामना करते है।

क्षमाभिलाषी

सेठी परिवार

तिनसुकिया
सिलचर
नई दिल्ली

क्षमावाणी महापर्व
30 सितंबर, 2023
आश्विन कृष्ण एकम

'क्षमा वीरस्य भूषणम्'

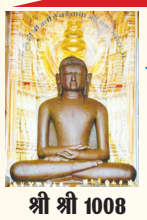

श्री श्री 1008
आदिनाथ भगवान

क्षमावाणी के परम पुनीत पावन स्वर्णिम शुभ अवसर पर भारतवर्ष के समस्त श्रद्धालुओं से हृदय के गहन स्थल से हार्दिक क्षमा याचना व सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान साधुसन्तों के पावन चरणों में नमन शत् शत् अभिनंदन

आचार्य वर्धमान
सागर जी महाराज

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

निर्मल-पुष्पा बिन्दायका

(एवरग्रीन होजीयारी)
बगरू (जयपुर) निवासी, कोलकाता प्रवासी
निर्मल-पुष्पा, जेसिका,
बिन्दायका परिवार, बगरू वाले

'क्षमा वीरस्य भूषणम्'

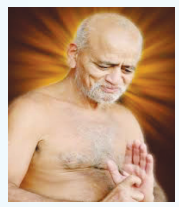

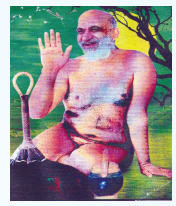

हमारे द्वारा जाने अनजाने में मन वचन और काया से आपको दुख पहुंचाया हो तो पर्यूषण महापर्व पर हम आपसे क्षमा याचना करते हैं।

मुनिपुंगव श्री सुधा सागर बालिका छात्रावास

पुण्योदय तीर्थक्षेत्र नसियां जी दादाबाड़ी, कोटा (राजस्थान)

-: प्रवेश प्रारम्भः-

वातानुकूलित (AC) रूम, अटैच लेटबाथ, सिंगल एवं डबल रूम, कोचिंग तक आने जाने की सुविधा, 24 घन्टे महिला सुरक्षा गार्ड, पूर्ण सुरक्षित परिसर में स्थित शुद्ध सात्विक भोजन।

सम्पर्कः- 9829038906, 7597478711, 6376531154

अध्यक्ष व शिरोमणी संरक्षक
श्रीमती अर्चना जैन (रानी) दुगेरिया सर्राफ
परम संरक्षक
डॉ. संतोष जैन

निर्देशक
श्रीमती उषा जैन बाकलीवाल
सचिव
श्रीमती निशा जैन वेद

कोषाध्यक्ष
श्रीमती छाया जैन
हरसोरा एवं समस्त छात्रावास परिवार

संकलन- जैन गजट संवाददाता राजा बाबू गोधा, फागी, मो. 9460554501

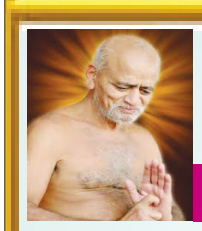

महान पर्वराज दशलक्षण पर्व
आप सभी के लिये मंगलमयी होवे,
हार्दिक शुभकामनायें

क्षमा प्रार्थीः

लोकेश जैन-श्रीमती निधि जैन,
तपेश जैन-श्रीमती प्रीति जैन (पुत्रवधु), रिद्धी जैन, चिरायु, देवेश व रजत (पौत्र-पौत्री) एवं
समस्त पांड्या परिवार,
खोरा वाले, जयपुर

मुनिभक्त उत्तम कुमार जी एवं श्रीमती सरोज देवी पांड्या खोरा वाले

शिरोमणि संरक्षक एवं निवर्तमान अध्यक्षः दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल
1. परम शिरोमणि संरक्षक एवं संस्थापक अध्यक्षः श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर-10, मालवीय नगर, जयपुर, 2. शिरोमणी संरक्षक एवं गौरवाध्यक्षः श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, रेवासा (सीकर), 3. परम संरक्षकः श्री दिगम्बर जैन संस्कृत कॉलेज, जयपुर, 4. संरक्षकः श्री दि. जैन अतिशय क्षेत्र नारेली, अजमेर, 5. उपाध्यक्षः श्रमण संस्कृति संस्थान छात्रावास, सांगानेर, जयपुर, 6. संरक्षकः श्री दिगम्बर जैन महासमिति, राजस्थान, 7. कार्याध्यक्षः श्री दि. जैन महासमिति, राजस्थान अंचल, 8. ट्रस्टी एवं उपाध्यक्षः श्री दि. जैन होम्योपैथिक औषाधालय, सेक्टर 3 व 10 मालवीय नगर, जयपुर, 9. लाईफ मेम्बरः श्री महावीर इन्टरनेशनल (रजि.), 10. लाईफ मेम्बरः भारतवर्षीय दि. जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी (रजि.), 11. लाईफ मेम्बरः इन्टरनेशनल जैन एण्ड वैश्य ऑर्गनाईजेसन (रजि.), 12. पूर्व अध्यक्षः श्री दि. जैन अतिशय क्षेत्र, चन्द्रगिरी बैनाड, जयपुर, 13. संरक्षकः महिला मंडल व वृद्ध आश्रम, जौहरी बाजार, जयपुर, 14. ट्रस्टी एवं अध्यक्ष अनाथ आश्रमः श्री शंकर सेवा धाम, कानोता, जयपुर, 15. तीर्थ रक्षकः श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, सुदर्शनोदय तीर्थक्षेत्र, आंवा, जिला-टोंक।

-: प्रतिष्ठानः-

➲ न्यू मेडिसन चेम्बर, जयपुर ➲ न्यू मेडिसन हाउस, जयपुर ➲ विजय फार्मास्युटिकल्स जयपुर ➲ नवनिधि एन्टरप्राईजेज, जयपुर ➲ न्यू मेडिकल स्टोर, सीकर ➲ रिद्धी सिद्धी फार्मेसी, सांगानेर जयपुर। मो. 9828880111

श्री दिगंबर जैन समाज (ट्रस्ट)
श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, आदिनाथ मार्ग, पर्वत पटिया, सूरत, मोबा. 7863839039

सिल्क सिटी, डाइमंड सिटी के नाम से विख्यात सूरत शहर के मॉडल टाउन, पर्वत पाटिया क्षेत्र में श्री 1008 श्री आदिनाथ भगवान का विशाल मंदिर है।

इस क्षेत्र में 500 से अधिक जैन परिवार रहते हैं। मूलनायक 1008 श्री आदिनाथ भगवान, पद्मप्रभु भगवान एवं पार्श्वनाथ भगवान की अति मनमोहक, परम अतिशयकारी तीन अलग-अलग बेदी में प्रतिमा विराजमान हैं।

मंदिर जी में एक स्वाध्याय हाल, नीचे सभा भवन, कुआँ एवं साधु-संतों के लिए संत निवास है। हर वर्ष समाज को साधुओं के चातुर्मास का सान्निध्य मिलता है।

आदिनाथ भवन में Furniture के साथ 28 वातानुकूलित (AC) कमरे, आधुनिक रसोई घर एवं (AC) हाल है जो समाज के सामाजिक कार्यक्रम, शादी-विवाह एवं यात्रियों के लिए उपलब्ध है।

श्री आदिनाथ जैन चिकित्सालय आधुनिक चिकित्सालय समाज के लिए कार्यरत है।

अध्यक्षः
विद्या प्रकाश दीवान

मंत्रीः
विनोद कुमार बड़जात्या

क्षमा वीरस्य भूषणम

दशलक्षण महापर्व के तत्काल बाद मनाया जाने वाला क्षमावाणी पर्व एक ऐसा महापर्व है, जिसमें हम वैर भाव को छोड़कर एक दूसरे से क्षमा याचना करते हैं, एक दूसरे के प्रति क्षमा भाव धारण करते हैं। इसे क्षमापना भी कहा जाता है। संसारी जीव प्रतिदिन अज्ञान से, प्रमाद से, कषायों से अनेक अपराध करता ही रहता है। हम सबने आत्मशुद्धि के इस पावन पर्युषण पर्व में प्रतिदिन वीतराग सर्वज्ञदेव के दर्शन, स्तुति, पूजन, जप, ध्यान, स्वाध्याय आदि अनेक धर्म कार्यों का यथाशक्ति पालन किया है। इस धर्मों पर व्याख्यान सुने हैं और तत्वार्थ सूत्र का अर्थ भी श्रवण किया है, इन शुभ क्रियाओं तथा शास्त्र के मनन-चिन्तन से हमारे तथा आपके परिणामों में सहिष्णुता मृदुत्ता, ऋजुता एवं सन्तोष गुणों का प्रादुर्भाव हुआ है, हमारे ये परिणाम स्थायी रूप से सदा बने रहें, ऐसी हम और आप भावना करें।

इस प्रकार की भावना के बल से हम और आप अपनी आत्मा को निर्विकार परम पवित्र बना सकते हैं। हमारे दैनन्दिन जीवन में हम कुछ ऐसे दोष भी करते हैं जिनका संबंध अपने और पराये दोनों से होता है। यह दोष मनुष्य स्वयं करता है पर उस दोष से दूसरा मनुष्य भी प्रभावित होता है। उदाहरण के लिए हम क्रोध में आकर दूसरों को गाली देते हैं, झगड़ा करते हैं, मारपीट भी करते हैं। यह दोष हम तो करते ही हैं, इस दोष का शिकार दूसरा व्यक्ति भी होता है और यह दोष उस व्यक्ति के दिल में कांटे की तरह चुभता रहता है। यह चुभन उसमें बदले की भावना पैदा करती है और समय पाकर यह भावना बैर का रूप चारण कर लेती है। अतः ऐसे दोषों की निवृत्ति के लिए सबसे अच्छा उपाय यही है कि हम विनम्र होकर उससे अपने अपराधों की क्षमा याचना करें। अपनी करनी वापस लेकर अपने हृदय की शुद्धि करें और उस व्यक्ति की शल्य चाहे वह बदले की भावना रूप हो या अन्य किसी रूप में, हटाने की चेष्टा करें। वर्ष में एक बार आने वाला यह क्षमावाणी पर्व हमें दूसरों के प्रति किये गये अपराधों के लिए क्षमा मांगने का अवसर प्रदान करता है। वैर भाव को एक दिन भी रखने की वस्तु नहीं है। प्रथम तो वैर भाव धारण ही नहीं करना चाहिए। यदि कदाचित हो भी जाये तो उसे तत्काल मिटा देना चाहिए। इसके बाद भी यदि रह जाये तो फिर क्षमावाणी के दिन तो मन साफ हो ही जाना चाहिए। यद्यपि क्षमा क्रोध के अभाव का नाम है, तथापि क्षमा वाणी का संबंध मात्र क्रोध के अभाव रूप क्षमा से ही नहीं, अपितु क्रोध, मान आदि विकारों के अभाव रूप मार्दव आदि दस धर्मों की आराधना एवं उससे उत्पन्न निर्मलता से है। क्षमा मांगने में बाधक क्रोध कषाय नहीं, अपितु कषाय है। क्रोध कषाय क्षमा करने में बाधक हो सकती है, क्षमा मागने में नहीं।

''खम्मामि सव्व जीवाणं, सव्वे जीवा खमन्तु मे, अर्थात सब जीवों को मैं क्षमा करता हूं, सब जीव मुझे क्षमा करें। सब जीवों से मैत्री भाव है, किसी से भी बैर भाव नहीं है। तब मैं सब जीवों को क्षमा करता हूं, यह कहकर क्रोध के त्याग का संकल्प करते हैं या क्रोध के त्याग की भावना करते हैं तथा सब जीव मुझे क्षमा करें कहकर मान के त्याग का संकल्प करते हैं या मान के त्याग की भावना करते हैं। इसी प्रकार सब जीवों से मित्रता रखने की भावना मायाचार के त्याग रूप सरलता प्राप्त करने की भावना है।

क्षमायाचना या क्षमा करना दो प्राणियों की सम्मिलित क्रिया नहीं है, यह एकदम व्यक्तिगत चीज है, स्वाधीन क्रिया है। क्षमावाणी एक धार्मिक परिणति है, आध्यात्मिक क्रिया है। उसमें पर के सहयोग एवं स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होती। यदि हम क्षमाभाव धारण करना चाहते हैं तो उसके लिए यह आवश्यक नहीं कि जब कोई हमसे क्षमा याचना करें तब ही हम क्षमा कर सकें अर्थात क्षमा धारण कर सकें। अपराधी द्वारा क्षमायाचना नहीं किये जाने पर भी उसे क्षमा किया जा सकता है। यदि ऐसा नहीं होता तो फिर क्षमा धारण करना भी पराधीन हो जाता। यदि किसी ने हमसे क्षमा याचना नहीं की तो उसने स्वयं की मान कषाय का त्याग नहीं किया और यदि हमने उसके द्वारा क्षमायाचना किए बिना ही क्षमा कर दिया तो हमने अपने कोच भाव का त्याग कर उसका नहीं, अपना ही भला किया है। इसी प्रकार हमारे द्वारा क्षमा याचना करने पर भी यदि कोई क्षमा नहीं करता है, तो क्रोध का त्याग नहीं करने से उसका ही बुरा होगा। हमने तो क्षमा याचना द्वारा मान का त्याग कर अपने में मार्दव धर्म प्रकट कर ही लिया। उसके द्वारा क्षमा नहीं करने से, क्षमा मांगने से होने वाले लाभ से हम वंचित नहीं रह सकते। यही कारण है कि आचार्यों ने अन्य जीवों द्वारा क्षमा याचना की प्रतीक्षा किए बिना ही सब जीवों को अपनी ओर से क्षमा करके तथा कोई क्षमा करेगा या नहीं इस विकल्प के बिना ही सबसे क्षमा याचना करके अपने अन्तःस्थल में उत्तम क्षमा को धारण कर लिया।

क्षमायाचना और क्षमादान ये दोनों ही वृत्तियां हृदय को हल्का करने वाली उदात वृत्तियां हैं, वैरभाव को मिटाकर परम शांति प्रदान करने वाली हैं। प्रदान करने वाली भी क्या, अन्तर में प्रकट शांति का प्रतिफलन नहीं है। सर्वाधिक महत्वपूर्ण और विशेष ध्यान देने योग्य बात यह है कि इस अज्ञानी आत्मा ने दूसरों से तो अनेकों बार क्षमा याचना की है, दूसरे को ही अनेकों बार क्षमा प्रदान भी की है, पर आज तक स्वयं से न तो क्षमा याचना ही की है और न स्वयं को क्षमा ही किया है। इसीलिए अनंत दुःखी भी हैं। इस तरह से हम देखते हैं कि दशलक्षण पर्व के तुरन्त बाद आने वाला क्षमावाणी पर्व एक महान पर्व है। यदि संसार के सभी धर्मों के लोग क्षमावाणी पर्व मनाने लगे तो समूचे विश्व में अनायास ही शांति स्थापित हो सकती है।

- कपूरचन्द जैन पाटनी
प्रधान सम्पादक

आचरण में भी क्षमा भाव उतारें

भव्य प्राणियो दशलक्षण पर्व समाप्त होने पर दूसरा महापर्व आता है क्षमावाणी

-मुनिश्री अर्पित सागर जी महाराज : आचार्यश्री वर्धमान सागर जी के प्रभावक शिष्य

क्षमावाणी हमको क्या कहता है .
दूसरों की भूलों को माफ करें
वो इंसान होते हैं
पराए अपराधों को भूल जाएं
महान होते हैं।
वैर-भाव से रहित हैं जो रात-दिन
ऐसे महान क्षमाशील भगवान होते हैं।

आचार्य कहते हैं कि आज व्यक्ति के अन्दर क्रोध रूपी ज्वाला धधक रही हैए किसी दूसरे को आगे बढ़ता देख आंखें सहन नहीं कर सकती फिर भी उपवास व्रत करनाए ऐसा उपवास किस काम का जहां क्षमा गुण हृदय में धारण करना चाहिए था वहां क्रोध रूपी अग्नि प्रज्जवलित हो रही है। आचार्य कहते हैं कि उपवास मत कर, ये उपवास तेरे किस काम के तू क्षमा को धारण कर ले क्योंकि उपवास की अपेक्षा तुझे क्षमा से लाख गुना फल प्राप्त हो जायेगा। यदि उपवास से श्रेष्ठ है तो अंतरंग से उत्तम क्षमा का मांगना। क्षमा उपवास से भी श्रेष्ठ है।

देखता हूं लोग उपवास करते हैं पर उपवास कहां हो पाता है। उपवास का भी कितना ताम.झाम है। शाम को डपट-डपट कर खाते होए यह सोचकर कि कल उपवास करना है। पारणा के दिन दूध में घी उड़ेल-उड़ेल कर पीते होए यह सोचकर कि कल उपवास थाए पर वास्तव में उपवास कहा हुआ। अगर भोजन और स्वाद की आसक्ति शिथिल न हुई। उपवास का मतलब है आत्मा के समीप बढ़ना जबकि वह खाने-पीने के और समीप बढ़ जाता है। दस दिन क्षमा और मैत्री के हैं पर इन दस दिनों में कुछ लोग कुछ ज्यादा ही ऊंचा-नीचा बोल जाते हैं। करना होता है अमृतपान परस्पर लड़-झगड़ कर कर लेते हैं विषपान। भव्य आत्माओ दस तक पवित्र दिनों में अन्तर्मन को साधु स्वभाव का बनाओ। साधुत्व का दीप जलाओ। असली मतलब तो आत्मसात करने से है। आचरण में उत्तम क्षमा को ध्यान में लगावो। याचना से चलो याचना से बैठो याचना से सीखो याचना से भोजन करो और याचना से ही बोलो।

जैन धर्म के अतिरिक्त अन्य धर्मों में जैसे हिन्दू बौद्ध ईसाई आदि में भी क्षमा को विशेष महत्व दिया है। रामायण महाभारत गीता आदि ग्रंथों में कई स्थानों पर क्षमा का महत्व दिया है। आचरण में क्षमा को उतारोगे तो क्षमापर्व सफल होगा।

संकलन. महावीर प्रसाद अजमेरा
संवाददाता जैन गजट संवाददाता

पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व : संकल्प का पर्व

एम. सी. जैन, संवाददाता

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भारत वर्ष में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व आरंभ होने जा रहा है। भ. आदिनाथ जी से लेकर भ. पार्श्वनाथ जी और भ. महावीर स्वामी के सभी अनुयायी हैं। कालांतर से जैन धर्म में दिगम्बर और श्वेताम्बर संप्रदाय का निर्माण हुआ। भ. महावीर स्वामी के पहले तेईस तीर्थंकर हुये हैं। भ. आदिनाथ जी का समय हजारों वर्ष पूर्व है। सत्य, शांति, अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकांत सिद्धांत पर चलने वाला यह धर्म भारतवर्ष की अत्यंत प्राचीन संस्कृति है। मैंने अनेक बार लिखा है, दिगम्बर और श्वेतांबर पंथीय एक ही तिथी को पर्युषण महापर्व मनावें जिससे अन्य समाज में गलत संदेश ना जाए, किंतु दुर्भाग्य से उस पर आचार्यों ने, समाज नेताओं ने विचार नहीं किया। पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व को क्षमावणी पर्व, दशलक्षण पर्व भी कहते हैं। उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य, उत्तम ब्रह्मचर्य आदि दसलक्षण है। अंत में क्षमा मांगने का समारोह किया जाता है।

सामाजिक समस्याः जैन समाज में 22 फीसद युवकों के विवाह के लिए लड़कियां नहीं

जानें ये कारण

भारतीय जैन संगठन के देश के 12 शहरों में आयोजित परिचय सम्मेलन से जुटाए गए आंकड़ों के आधार पर यह बात सामने आई है कि जैन समाज में लड़के-लड़कियों की शादी की उम्र आगे बढ़ गई है। पांच साल पहले समाज में लड़कियां 21 से 23 और लड़के 24 से 27 साल की उम्र तक घर बसा लेते थे, लेकिन अब लड़कियां 24 से 29 और लड़के 26 से 32 के बीच शादी कर रहे हैं। भारतीय जैन संगठन के देश के 12 शहरों में आयोजित परिचय सम्मेलन से जुटाए गए आंकड़ों के आधार पर यह बात सामने आई है। यह आंकड़े संगठन ने इंदौर, पुणे, नागपुर, उदयपुर, हैदराबाद, नासिक, औरंगाबाद, बंगलुरू, चेन्नई, जयपुर व उज्जैन सहित 12 शहर से जुटाए हैं। इसमें करीब 60 हजार विवाह योग्य युवक-युवती का डाटा एकत्रित किया गया है।

अरे, आप तो बहुत खुशनसीब हैं...

रमेश चंद्र जैन एडवोकेट, नई दिल्ली

1. आपको खुश होना चाहिए कि आप देख सकते हैं, क्योंकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार विश्व में 4 करोड लोग दृष्टिहीन हैं जिनमें से 49 प्रतिशत अकेले भारत और चीन में हैं।
2. आपको खुश होना चाहिए कि आप सुन सकते हैं, क्योंकि वर्ल्ड फेडरेशन आफ डीफ की रिपोर्ट के अनुसार विश्व में 7 करोड़ से भी ज्यादा लोग सुनने में सक्षम नहीं हैं, जिनमें से 80 प्रतिशत लोग विकसित देशों में रहते हैं।
3. आपको खुश होना चाहिए कि आप चल सकते हैं, क्योंकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार विश्व में 6 करोड़ से ज्यादा लोगों के पैर काम नहीं करते और 7.5 करोड़ लोग व्हीलचेयर का प्रयोग करते हैं।
4. आपको खुश होना चाहिए कि आपके सिर पर छत है, क्योंकि हैबीटेट आफ ह्यूमेनिटी की रिपोर्ट के अनुसार विश्व में लगभग 15 करोड़ लोग बेघर हैं। लगभग 160 करोड़ लोग टूटी-फूटी छतों के नीचे रहने को मजबूर हैं।
5. आपको खुश होना चाहिए कि आपके पास भोजन है, क्योंकि वर्ल्ड फूड प्रोग्राम की स्टडी के अनुसार विश्व में 4.8 करोड़ लोग खाना न मिलने के कारण मौत के कगार पर पहुंच चुके हैं।
6. आपको खुश होना चाहिए कि आपके पास परिवार है, क्योंकि यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार विश्व में 15.3 करोड बच्चे अनाथ हैं। 16.8 करोड़ से भी ज्यादा बच्चों को मजदूरी करके अपना पेट भरना पड़ता है।
7. आपको खुश होना चाहिए कि आप पढ़-लिख सकते हैं, क्योंकि यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार विश्व में 26 करोड़ बच्चों को स्कूल की पढाई नसीब नहीं है, इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है आर्थिक तंगी।
8. आपको खुश होना चाहिए कि आप साफ पानी पी रहे हैं, क्योंकि विश्व स्वास्थ्य संगठन व यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार विश्व में 200 करोड़ लोगों को पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं है।
9. आपको खुश होना चाहिए कि आपके पैरों में जूते हैं, क्योंकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार विश्व में 60 करोड़ से ज्यादा लोगों के पास एक जोड़ी जूते भी नहीं है, जिनमें 30 करोड बच्चे हैं।

अब आप स्वयं सोचें कि आप कितने खुशनसीब हैं कि आपके पास खुशी की एक-दो नहीं बल्कि 9 वजहें हैं। तो फिर आओ मित्रो आज भगवान का धन्यवाद अदा करें।

कुछ कहकर चले जाते हैं, कुछ सुनकर चले जाते हैं.. कुछ देखकर चले जाते हैं, कुछ करके चले जाते हैं

आचार्य श्री प्रसन्न सागर जीआचार्य

श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ससंघ का महाराष्ट्र के उदगांव में 2023 का ऐतिहासिक चौमासा चल रहा है, आपने प्रवचन में कहा कि कुछ कहकर चले जाते हैं, कुछ सुनकर चले जाते हैं.. कुछ देखकर चले जाते हैं, कुछ करके चले जाते हैं। जो ज्ञान प्राप्त किया है उसे तदनुरूप आचरण में भी लाइये। गणधर पीठ पर या व्यास पीठ पर बैठकर ज्ञान की ऊँची बातें तब कारगर सिद्ध होती हैं जब स्वयं के आचरण में आती है।

सौहार्द का महापर्व क्षमा वाणी पर्व

- महावीर दीपचंद ठोले, औरंगाबाद

भारतीय संस्कृति एक गौरवशाली संस्कृति है यहां के पुनीत धरा पर धर्म व आध्यात्म की पावन धाराओं ने न केवल जन जीवन को विशिष्टता प्रदान की है वरना संपूर्ण विश्व की नजर में अद्वितीय स्थान बनाया है। मगर वर्तमान परिदृश्य में हमारी नैतिकता, चारित्रिक उत्थान एवं आध्यात्म की युगयुगांत कालीन परंपरा में दरार डालने वाली बाहरी एवं भीतरी ताकतों से संघर्ष का दौर शुरू हो गया है। ऐसे में सहनशीलता एवं क्षमा की बड़ी आवश्यकता है जिससे विश्व में सुख शांति का वातावरण तैयार हो सकेगा।

क्षमा में वह शक्ति, वह शांति वह संतुलन है जो हमें संसार में कहीं नहीं मिल सकती क्योंकि जीवन की राह पर कई बार अनचाहे ही कुछ घटनाएं ऐसी हो जाती हैं जो अपनों का दिल दुखा जाती हैं किंतु क्षमा मांगना या क्षमा करना हृदय की उदारता है। जो पिछली बातों को भूलकर नई शुरुआत का आगास कराती है।

यदि मन जख्मी है तो क्षमा के पास उसे भरने की क्षमता है। यदि क्रोध बीमारी है तो क्षमा उसकी औषधि है और यदि कषाय अंधकार है तो क्षमा सूर्य की किरणें हैं। क्षमा आत्मा का स्वभाव है। सहिष्णुता, समता और सौजन्य क्षमा की पर्यायें हैं। सामर्थ्य और क्षमता संपन्न व्यक्ति ही क्षमा धारण करता है और यह वीरों का लक्षण है इसलिए क्षमा वीरस्य भूषणं कहा गया है। जैन संप्रदाय के जन-जन का कल्याण करने वाले पर्युषण पर्व के उपसंहार के अवसर पर क्षमावाणी दिन मनाया जाता है जो विश्व मैत्री का भी संदेश देता है। इसे क्षमावाणी पर्व कहते हैं। जो सौहार्द, सौजन्यता, समन्वय और सद्भावना का महान पर्व है। अपने संबंध अच्छे बनाए रखने के लिए सौहार्द, सद्भाव, सहयोग और समादर यह चार गुण हमें अपने साथ रखने की आवश्यकता है। सौहार्द का मतलब होता है जिनके प्रति संबंध अच्छे है उनके प्रति मेरा मन उदार बने। सौहार्दता से उदारता बढ़ती है। उदारता संबंधों में मिठास लाती है। हम सामने वाले के प्रति अधिक सकारात्मक बनते है। उसमें छोटी-मोटी गलतियां नजर अंदाज करने की क्षमता हममें आती है। हम हमेशा सामने वाले को अपने गले लगाते हैं। मन में यदि गांठ है, द्वेष है, वैर है, नफरत का भाव है तो समझना हमारे मन में सामने वाले के प्रति सौहार्द का अभाव है, उसके प्रति नफरत ही रहेगी और जिसके प्रति सौहार्द है उसके प्रति प्रेम अपने आप उमड़ेगा और जहां प्रेम होगा वहा प्रगाढ़ता अपने आप आएगी। उसकी बुराई में भी अपने को अच्छाई ही दिखाई देती है। सद्भाव का मतलब एक दूसरे के गुणो को सहना, उसके गुणों की प्रशंसा का भाव होना, एक दूसरे के भले की भावना रखना। उसके प्रति ईर्ष्या न रखना। सहयोग में एक दूसरे को साथ निभाने की कोशिश करना है। एक दूसरे की परेशानी को अपनी परेशानी समझकर उसे सहयोग करने से वह जीवन भर अपना हो जाता है और समादर में एक दूसरे के प्रति आदर भाव रखने से संबंधों की रक्षा होती है। यह सब गुण हममें हैं तो अपने आप संस्कृति की रक्षा होगी और क्षमावाणी पर्व मनाना सार्थक होगा।

वसुधैव कुटुम्बकम की ऊक्ति वास्तव में क्षमावाणी पर्व के माध्यम से चरितार्थ होती है। यह पर्व आत्मानः प्रतिकूलानि परेशां न समाचरेत की शिक्षा प्रदान करता है। इस पर्व पर सत्वेषुमैत्री और मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे जैसी सूक्तियां चरितार्थ होती है और सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया की प्रेरणा प्रदान करता है।

क्षमावाणी यह धार्मिक पर्व तो है ही परंतु उससे बढ़कर यह सामाजिक पर्व भी है क्योंकि विश्व के सभी धर्म और परम्पराओं में इस धर्म का पालन होता है। प्रत्येक संस्कृति के दार्शनिकों ने, चिंतकों ने, संत महात्माओं ने क्षमा का अद्भुत परिचय हमारे लिए दिया है।

वाल्मीकि रामायण में कहा है ''क्षमा यशः क्षमा धर्मः ''अर्थात क्षमा यश है, क्षमा धर्म है। भगवान महावीर ने कहा ''क्षमा वीरस्य भूषणं,'' सिखों के गुरुगोविंद सिंह ने कहा क्षमा शूर वीर ही कर सकता है, कायर व्यक्ति कभी भी क्षमा नहीं कर सकता। मोहम्मद इकबाल ने लिखा है मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर करना, हिंदी है हम, वतन है हिंदोस्ता हमारा। राष्ट्रपिता गांधी जी ने अपने जैन मित्र रायचंद जैन से अहिंसा, सत्य, क्षमा आदि को बहुत अच्छे से जाना, समझा और जीवन में उतारा। क्योंकि ऐसे उदात्त चरित्र वाले महामानवों के लिए सारी पृथ्वी के लोग अपने ही समान जान पड़ते है। इसलिए उन्होंने समस्त प्राणी मात्र में आत्मा का अस्तित्व मानकर सबसे क्षमा और मैत्री के भावों को विस्तृत बनाकर शांति के सर्वोच्च मार्ग को अपनाने का संदेश दिया है और कहा है - ''मानव को क्रोध से नहीं प्रेम से जीतो, क्रोध को क्रोध से नहीं क्षमा से जीतो यदि किसी का दिल जीतना चाहते हो तो अधिकार से नहीं समर्पण से जीतो।''। हमारे वैचारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय एवं वैयक्तिक समस्याओं के समाधान के लिए क्षमा गुण अद्भुत गुण है जिससे मन स्वच्छ बनकर समाज में भाईचारा स्थापित हो सकता है।क्षमा एवं मैत्री के संदेश से आपसी कलह एवं युद्धों से होने वाली क्षति को रोका जा सकता है। क्षमा के अवलंबन से न्यायालयों की भीड़ कम हो सकती है। तेजी से बढ़ रही अनिद्रा एवं रक्तचाप जैसी असाध्य बीमारियों को रोकना क्षमा द्वारा सहज संभव है। टूटते हुए संयुक्त परिवारों को क्षमा के सहारे बिखरने से बचाया जा सकता है। मानव मानव के बीच आज जो अविश्वास का संकट उपस्थित है उससे मुक्ति का मार्ग क्षमा ही है।

क्षमावाणी पर्व के इस पावन अवसर पर अपने अंदर ऐसी विशाल विचार धाराओं को लाएं जिससे हम दुनिया में प्रेम का, भाईचारे का, सद्भावना का बीजारोपण कर सकें।

आज यह पर्व आधुनिकता की भेंट चढ़ चुका है। आत्म कल्याण का यह महान पर्व जो मनोमालिन्य को धो डालने में पूरी तरह से समर्थ है, आज मात्र शिष्टाचार बन चुका है। आजकल क्षमा याचना की प्रक्रिया हृदय से न होकर मात्र औपचारिकता वश होती है परंतु औपचारिक रूप से क्षमा याचना करने में भी साहस और हिम्मत जुटाना होता है जो कायरता का प्रतीक नहीं है। क्षमावाणी पर्व का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर एकता को बढ़ावा देना है जिसमें हम सबका हित है। हम सभी श्वेतांबर, दिगंबर और अन्य पंथों, धर्मो के बंधन को तोड़कर आपसी भाईचारा बढ़ाकर धर्म और सामाजिक हित में आगे बढ़ना चाहिए। आज वर्तमान भौतिक विश्व विध्वंसक शस्त्रों की होड़ और युद्ध की ज्वालाओं की कगार पर खड़ा है। वह भी विश्व में शांति की कांक्षा करता है परंतु स्वयं के अंदर, हृदय में क्षमा को स्थापित किए बिना विश्व शांति की कामना एक मात्र छल है। क्षमा को स्वीकार किए बिना वह तीन काल में भी संभव नहीं है। आपसी वैमनस्य, प्रभुता, स्वार्थता, वरीयता का त्याग किए बिना विश्व में शांति असंभव है।

अतः क्षमावाणी पर्व के माध्यम से बैर एवं विद्वेष का जहर समाप्त हो तथा सौहार्द और सहिष्णुता की गंगा प्रवाहित होकर जन जन में आत्म शांति का विकास हो। भय और संताप का वातावरण समाप्त होकर सहयोग और शांति की शीतल धारा प्रभावित होती रहे यही मंगल कामना।

पर्युषण पर्व से क्या सीखें... एक विवेचना

पर्युषण पर्व हमारे बीच आये और कुछ जवाब तलब कर संवाद कर चले गये, क्या सीखा हमने? हम सुलझ पाये या और अधिक उलझ गये ! क्या हमने पर्युषण की अगवानी पूर्ण जागृति से की, हमने इनकी उपस्थिति में क्या सीखा, इन सवालों का उत्तर जानने से पहले हम यह जानें कि पर्युषण पर्व है क्या? क्यों मनाया जाता है? क्या यह घटना विशेष से संबंधित है? अथवा अनादिकाल से है। अपसर्पिणी व उत्सर्पिणी काल से इसका संबंध है। यह आदिकालीन पर्व है।

प्रत्येक प्राणी आत्मा से उत्पन्न विकार, क्रोध, मान, माया, लोभ, असत्य, असंयम के कारण दुःखी और अशांत है। सही मायने में पर्युषण पर्व आत्म संस्कारों का सर्वोपरि पर्व है। इसके लिए हमें भीतर की ओर झांकना होगा, हम भीतर से जागें, कमर कसें, कुछ निर्मल करें और भारी उत्साह के साथ करें। वस्तुतः यह पर्व पवित्रता व निर्मलता का पर्व है। इसमें दस संधि स्थान है। क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग आकिंन्चन्य तथा ब्रह्मचर्य।

हम कुछ सीखें उससे पहले आइये इन दस धर्मों पर प्रकाश डालें। क्षमा अथवा क्रोध के भाव से दूर रहना। चाहे कितनी भी प्रतिक्रियायें सिर ताने खड़ी हों हम अपना संतुलन बनाये रखें, क्योंकि क्रोध मन की गंदगी है और जहाँ भी गिरेगी गंदा ही करेगी। क्षमा आत्मा का स्वभाव है और आत्मा का यह स्वभाव आनन्द ही बरसायेगा। हमें क्षमा को ही अपनी ढाल बनाने का प्रयास करना होगा। क्रोध द्वेष बढ़ाता है और इससे स्वास्थ्य में गिरावट आती है और वातावरण विषाक्त होता है। पर्युषण आत्मा के स्वभाव को जानने का ही पर्व है। यह आत्म निरीक्षण का पर्व है।

जब मनः स्थिति अत्यन्त पवित्र और निष्कलंक हो जाती है ऐसी अवस्था में मार्दव की अवधारणा स्वतः जन्म लेती है। साधना की सिद्धि अहंकार के विसर्जन में है। विनम्रता में बड़े से बड़े गुण समाहित हैं।

पर्युषण इसे ही अपनाने की सीख देता है। अपनायें और आध्यात्मिकता का गुल खिलायें। निश्छलता सरलता की जननी है। आज हमारी जिंदगी बाजार सदृश हो गई है। कोई पैसे से तो कोई खुशामद से आपने आपको छल रहा है। हमारे आचरण में कपटता सहज रुप से परिलक्षित होने लगी है। हम मायाचारी के अजाबघर से घिरने लगे हैं। काम, क्रोध, माया, मोह, अभिमान, उदन्डता के मूल में मायाचारी है। इरादों को नेक रखने का नाम ही शौच धर्म है।

सत्य धर्म अर्थात ज्यों का त्यों कह देना। यह धर्म हमें सत्य बोलने की सीख देता है। सत्य बोलें, प्रिय बोलें। अप्रिय सत्य न बोलें और प्रिय असत्य भी न बोलें। हमारी वाणी की एक मात्र शुद्धि सत्य वचन से ही संभव है। हम कषाय और अज्ञान के वशीभूत होकर असत्य बोलते हैं। याद रखें सत्य के संस्कार वटवृक्ष की तरह फलते फूलते हैं।

-रत्नप्रभा सेठी, गुवाहाटी

संयम हमें मर्यादित आचरण की सीख देता है। इन्द्रियों पर अंकुश रखकर संयम को धारण करने से ही स्वयं का विकास किया जा सकता है।

संयमित और संतुलित जीवन तनावमुक्ति में भी सहायक है। तप का अर्थ है रोशनी, आंच, उर्जा, गति। तप आत्मा के परिणामों को शुद्ध करने का रसायन है। तन और मन को कसने का उपक्रम है।

यह ऐसा तीर्थ है जिससे सारी कालिमा धुल जाती है। कुन्दन बनना है तो तपना ही पड़ेगा। तप का तात्पर्य समस्त रागादि भावों को त्याग पूर्वक आत्म स्वभाव में लीन होना अर्थात तप के द्वारा आत्मलीनता के साथ विकारों पर विजय प्राप्त करना। तप की साधना कर्म निर्जरा का उत्कृष्ट साधन है।

त्याग धर्म का अर्थ केवल अर्थ दान या अभयदान ही नहीं है वरन बाह्य और अतंरंगता में जो परिग्रह लगा हुआ है उससे विरक्त होना। त्याग सिर्फ पर द्रव्यों का ही नहीं अपितु पर द्रव्यों के प्रति होने वाले मोह और रागद्वेष का होता है।

दान दिया जाता है, त्याग किया जाता है, पर को पर जानें और उसके प्रति ममत्व भाव को छोड़ना त्याग है।

अब जानें आकिन्चन्य क्या है? यह सिखाता है किन्चित मात्र भी मेरा नहीं है। त्याग के भाव का भी त्याग करना और निज स्वरुप में रहना ही आकिन्चन्य है।

पर द्रव्यों से रहित शुद्ध बुद्ध अपने आत्मा में चर्या अर्थात लीनता होती है उसी का नाम ब्रह्मचर्य है। ब्रह्मचर्य धर्म पर चढ़ा हुआ स्वर्ण कलश है, निर्वाण नगर में प्रवेश के लिये ब्रह्मचर्य के समान दूसरा कोई प्रवेश द्वार नहीं है। ''ब्रह्मभाव अन्तर लखो'' ब्रह्म स्वरुप आत्मा को देखना है तो अन्तर में देखना ही होगा।

दस धर्मों के इस सरल विवेचन से हम यह आकलन करें कि हमने क्या जोड़ा और क्या विमोचित किया। यह हमारी भीतरी विसंगतियों को दूर करने का एक खूबसूरत पर्व है। हमने इमारे भीतर की कितनी विसंगतियों को दूर किया इसका बोध कराने का नाम ही पर्यूषण पर्व है।

मन के, विचारों के मनोमालिन्य भावों को दूर कर सहज, सरल, सुरम्य वातावरण बनाना, देह से विदेह की यात्रा की प्रयोजनिता पर्युषण पर्व मनाने का मुख्य उद्देश्य है। प्रहारों के संघात से घायल जिन्दगी को स्वस्थ्य और अक्षुण्ण बनाने का एक उत्कृष्ट उपक्रम है पर्युषण पर्व।

प्रथम पांच धर्म ग्रहण करने की शिक्षा देते हैं और अंतिम पांच धर्म हमें विसर्जन की शिक्षा देते हैं। जीवन में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिये दस धर्मों के मूल तत्व को जानने के लिये पर्युषण का आना तो सांकेतिक है। इन धर्मों की सीख तो हमारे जीवन को साधने की सतत निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। सही मायने में दस धर्म नीतिगत धर्म है। इसे जानने के लिये किसी पांडित्य ज्ञान को अर्जन करने की आवश्यकता नहीं है। धर्म का मर्म इन दस धर्मों में समाहित है। इन्हें जीवन में उतारने का प्रयास ही धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ना है।पर्युषण पर्व के दस दिन अपने निज स्वरुप को जानने की एक प्रयोगशाला है। आध्यात्मिक पाठशाला है। यह धर्मोत्सव आत्मा को साधने का उत्सव है। आत्म संस्कार का मंगल पर्व है। यह मर्यादा, प्रीति, विश्वास, संवेदना एवं सहयोग का भी एक समावेशी रुप है। जितने हम बाहर हैं उसे कहीं अधिक हमें भीतर की यात्रा भी करनी होगी। पूजा पाठ, व्रत उपवास, सत्संग, स्वाध्याय दश धर्मों की सीढ़ी पर चढ़ने का माध्यम तो हो सकते हैं लेकिन यात्रा तभी प्रारम्भ होगी जब दस धर्मों की उत्तमता के साथ जीवन में भीतर और बाहर उतरने की शुरुआत होगी। सभी दस धर्मों के आगे उत्तम का अर्थ यही है कि हम जो भी अनुसरण करें उत्तमता के साथ करें।

पर्युषण महापर्व मात्र जैनों का पर्व मानना भी हमारी भूल होगी। यह एक सार्वभौम पर्व है। पूरे विश्व के लिए यह एक उत्तम और उत्कृष्ट पर्व है, क्योंकि इसमें आत्मा की उपासना की जाती है। संपूर्ण संसार में यही एक ऐसा उत्सव या पर्व है जिसमें आत्मरत होकर व्यक्ति आत्मार्थी बनता है व अलौकिक, आध्यात्मिक आनंद के शिखर पर आरोहण करता हुआ मोक्षगामी होने का सद्प्रयास करता है।

निज आत्मा में अवस्थित होना ही पर्युषण पर्व है। केवल दस दिनों तक एक फैशन का रुप इसे देना पर्व की महत्ता को कम करना है। इस बार का पर्युषण पर्व हमारी आत्म साधना में सहायक बने यही कामना करती हूँ। सभी को पर्युषण पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ। उत्तम क्षमा।

मदनगंज-किशनगढ़ में छोल भराई का कार्यक्रम सम्पन्न

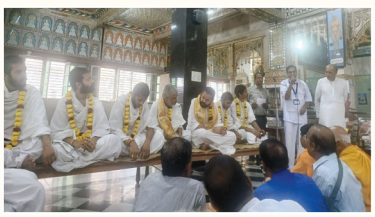

शेखर चन्द पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता

मदनगंज -किशनगढ़, 9 सितम्बर, 2023। परम पूज्य चर्या शिरोमणि आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज द्वारा 8 बाल ब्रह्मचारी भैयाजी को बड़ौत में उनके ससंघ सान्निध्य में जैनेश्वरी दीक्षा संस्कार किये जायेंगे। दीक्षार्थियों की छोल भराई कार्यक्रम आचार्यश्री की प्रेरणा से विश्वविख्यात मार्बल नगरी किशनगढ़ में रखा गया, जिसमें जैन भवन मन्दिर, मुनिसुव्रतनाथ मंदिर, आदिनाथ मन्दिर-सिटी रोड, चन्द्रप्रभु मंदिर, आदिनाथ मन्दिर, आदिनाथ कलोनी, पदमप्रभु मन्दिर-मयूरसिटी, शिवाजी नगर आदि मन्दिरों में छोल भराई का प्रोग्राम बहुत श्रद्धा, भक्ति, विनय के साथ-साथ सानन्द सम्पन्न हुआ। हमारे यशस्वी अध्यक्ष विनोद जी पाटनी ने जो भावना व्यक्त की उससे सारे समाज में प्रसन्नता की लहर दौड़ गयी। विनोद जी ने कहा कि अगले वर्ष आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज का चातुर्मास किशनगढ़ में हो और जिनको हम अभी ब्रह्मचारी अवस्था में देख रहे है उनसे मुनि अवस्था में किशनगढ़ में ऐसी धर्म प्रभावना हो कि पूरे देश में एक नई अलख जग जाये। मंत्री सुभाष जी बड़जात्या ने बहुत अच्छा मंच संचालन किया। मुझे भी अपनी भावना व्यक्त करने का सौभाग्य मिला।

फागी में जैन धर्मावलम्बियों ने मनाया रोट तीज

राजाबाबु गोधा, संवाददाता

फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के चैरू, चकवाड़ा, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा लदाना सहित सभी दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों ने आज रोट तीज का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया, फागी महिला मंडल की चित्रा गोधा एवं चंद्रकांता सिंघल ने बताया कि इस मौके पर आज मंदिरों में तीन चैबीसी विधान की पूजा अर्चना की गई तथा घरों में रोट खीर बनाकर अन्य धर्मों के लोगों, मित्रों को रोट खीर खिलाया गया, जैन समाज में इस त्यौहार का बड़ा महत्व है, आज श्रद्धालुओं द्वारा रोट, घी, बूरा एवं तुरई का रायता बनाया गया तथा जिनालयों में श्री जी के समक्ष उक्त व्यंजन अर्पित कर सुख शांति और समृद्धि की कामना की गई, पंडित संतोष बजाज ने बताया कि भाद्रपद शुक्ला तृतीया (तीज) को 72 कोठे का मण्डल मांडकर चैबीस महाराज की तीन चैबीसी पूजा विधान की पूजा की गई, महिला मंडल की संतोष बावड़ी, सुशीला बावड़ी, मैना बावड़ी, मीरा झंडा एवं संगीता कागला ने बताया कि इस पूजा विधान से लक्ष्मी अटल रहती है, इस दिन महिलाओं द्वारा रोट तीज का व्रत एवं उपवास भी किया जाता है, समाज की सुनीता सांघी, सुनिता मोदी तथा पूर्णिमा गोधा ने अवगत कराया कि दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के षोडशकारण एवं मेघमाला व्रत शनिवार 30 सितम्बर तक चलेंगे तथा मंगलवार 19 सितम्बर से दशलक्षण महापर्व प्रारम्भ होगें जो गुरुवार 28 सितम्बर तक चलेंगे। 28 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी एवं दशलक्षण समापन होने के बाद जिनालयों में श्री जी के कलश होंगे। शनिवार 30 सितम्बर को षोडशकारण समापन कलश एवं पड़वा ढोक क्षमा वाणी पर्व मनाया जावेगा, इस मौके पर वर्ष भर में जाने अनजाने में हुई त्रुटियों एवं गलतियों के लिए सभी धर्मावलंबी आपस में एक दूसरे से क्षमा मांगकर खोपरा मिश्री खिलायेंगे। इस मौके पर समाज की वयोवृद्ध रतनीदेवी सिंघल धर्मपत्नी रतनलाल सिंघल, सुरज्ञानी देवी कठमाणा, कांतादेवी उनियारा, सुनीता सांघी, संतोष देवी बावड़ी, सुशीला देवी बावड़ी, मैना देवी बावड़ी, मंजू बावड़ी, चित्रा गोधा, मीरां झंडा, संगीता कागला, सुनिता मोदी तथा पूर्णिमा गोधा सहित सभी महिलाएं मौजूद थी।

बामनवास में रोट तीज पर व्यंजनों से महकी जैन घरों की रसोई

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

बामनवास में जैन समुदाय ने सोमवार को रोट तीज का पर्व श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर जैन धर्मावलम्बियों के घरों में रोट, तोरई की सब्जी व सावे की खीर बनाई गई। इसके बाद विधि विधान से पूजा अर्चना करने के बाद श्री जी को रोट समर्पित किया गया। वही जैन समुदाय के साथ ही अन्य समाज के लोगों ने भी रोट तीज का आनंद लिया। जैन समुदाय के लोगों ने सामयिक ध्यान कर चौबीस व्रत की कथा सुनकर प्रसाद लिया। दिगम्बर जैन समाज पिपलाई के प्रवक्ता बृजेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि श्रीचौबीसा व्रत को ही रोट तीज कहते है। इस अवसर पर भाद्रपद शुक्ल तृतीया को सामयिक स्नान ध्यान करके चौबीस महाराज की पूजन विधान किया जाता है। इस दिन चार प्रकार के दान देने की परंपरा का भी निर्वहन किया जाता है। इस अवसर पर रमेश जैन, विनोद जैन, आशीष जैन, जिनेन्द्र जैन, आशा जैन, सुमनलता जैन, ललिता जैन, रजनी जैन, राजुल जैन, सपना जैन, एकता जैन आदि कई श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

जैन गजट को शीघ्र आवश्यकता है

1895 से प्रकाशित हो रहे जैन समाज के सर्वाधिक प्रसार संख्या वाले जैन गजट साप्ताहिक के सदस्य बनाने, विज्ञापन बुक करने एवं जैन समाज के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के समाचार भेजने हेतु देश भर में जगह जगह संवाददाताओं की शीघ्र आवश्यकता है। आकर्षक कमीशन एवं अन्य लाभ योग्यतानुसार। आवेदन जैन गजट के वाट्सऐप नं. 7505102419 या 9415108233 पर भेजिये। आवेदन प्राप्त होने पर आपसे संपर्क किया जावेगा।
संपर्क - जैन गजट, ऐश बाग, लखनऊ,
मो. 9415008344, 7607921391, 7505102419,
Email- jaingazette2@gmail.com
www.jaingazette.com

श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा से प्रेरित तीर्थ जीर्णोद्धार कार्यक्रम की श्रृंखला में

पर्यूषण पर्व से पूर्व कारसेवा सानंद सम्पन्न

शेखर चंद पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता

कुचामन सिटी। प्राचीन संस्थान श्री जैन वीर मंडल द्वारा 9 जुलाई 2023 को प्रारम्भ किया गया कार सेवा का कार्यक्रम पांचोता, भावता, इंदोखा, लीचाणा, खारड़िया, पदम पुरा, रसाल, लादड़िया, जिलिया, मान पूरा, अतिशय क्षेत्र हस्तेड़ा, नई नशियां कुचामन, पांचवा, चितावा और पांचवा ग्राम के ही दूसरे मंदिर में आज दिनांक 10.09.2023 को कार सेवा के साथ कार्य सानंद संपन्न समापन किया। श्री जैन वीर मंडल अध्यक्ष सोभागमल गंगवाल ने बताया कि कार सेवा के कार्य में संयोजक पवन गोधा के मार्गदर्शन में अशोक गंगवाल, सुनील पांचवा, मनीष पांचवा, निर्मल सोगानी, उम्मेदमाल पहाड़िया, महावीर प्रसाद काला, कार्तिक जैन, नितेश जैन, कपूर चंद जैन, अमर चंद जैन ने सहयोग किया। श्री जैन वीर मंडल द्वारा इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों के 16 मंदिरों में किये गये कार सेवा के लिए, पांचवां ग्राम जैन समाज के 80 वर्षीय श्री महावीर प्रसाद जी काला ने कहा कि श्री जैन वीर मंडल द्वारा किये गये इस प्रशंसनीय कार्य के लिए बहुत-बहुत साधुवाद तथा इससे आने वाले वर्षों में समाज में जागृति आयेगी एवं प्रेरणा मिलेगी। पवन गोधा- संयोजक ने इस कार्य में सहयोग करने वाले सभी सहभागियों का आभार एवं धन्यवाद किया।

उत्तम क्षमा धर्म की पूजा के साथ 10 दिवसीय दसलक्षण महापर्व की हुई शुरुआत, जैन मंदिरों में हो रहे है विशेष धार्मिक आयोजन

सीकर। दिगंबर जैन समाज के 10 दिवसीय दसलक्षण पर्व मंगलवार को उत्तम क्षमा धर्म के साथ शुरू हुए। ये पर्व 28 सितंबर तक चलेंगे व अनंत चतुर्दशी पर दस दिवसीय महापर्व का समापन होगा। 30 सितंबर को क्षमावाणी का पर्व मनाया जाएगा। प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि शहर के समस्त जिनालयों में दसलक्षण पर्व भक्ति भाव से मनाया जा रहा है। पर्युषण पर्व के लिए शहर के मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। जैन समाजजन इस आत्मशुद्धि के महापर्व पर शुभ और अशुभ कर्मों का प्रक्षालन करने के लिए मन के दूषित भावों और विकारों को दूर करने के लिए पर्व को बेहद श्रद्धा के साथ मना रहे हैं। पहले दिन उत्तम क्षमा धर्म का पालन करते हुए श्रावकों ने नियम पूर्वक व्रत रखा व जिनालयों में प्रातः बेला में जिनेन्द्र भगवान के अभिषेक किए। इसके पश्चात नित्य नियम की पूजा व दसलक्षण धर्म की पूजा हुई। देवीपुरा स्थित चंद्रप्रभु जैन मंदिर में भी दसलक्षण पर्व भक्तिभाव से मनाया जा रहा है। कमेटी के अध्यक्ष पदम पिराका व उपाध्यक्ष प्रदीप सेसम में बताया कि मंगलवार को सौधर्म इंद्र बन शांतिधारा व महाआरती का सौभाग्य नेमीचंद तेजपाल छाबड़ा दुधवा परिवार को प्राप्त हुआ। दीवान जी की नसियां के सुनील दीवान ने बताया कि प्रातःकाल ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी व बबिता दीदी के सानिध्य में भक्तिभाव से श्री जी के अभिषेक व शांतिधारा की गई। नया मंदिर कमेटी के मंत्री पवन छाबड़ा ने बताया कि प्रातः शांतिधारा का सौभाग्य मुकेश कुमार विकास कुमार लुहाड़िया सुरेरा वाले परिवार को मिला। समस्त मांगलिक कार्य पंडित जयंत शास्त्री के निर्देशन में संपन्न हुए। जाट बाजार स्थित नसियां जी में ब्रह्मचारिणी सरिता दीदी व बबिता दीदी ने उत्तम क्षमा धर्म पर बताया कि दसलक्षण अर्थात पर्युषण महापर्व आत्मशुद्धि का अवसर प्रदान करता है। इसलिए इस दौरान अहिंसा यानी किसी को दुःख व कष्ट ना देना, सत्य के मार्ग पर चलना, चोरी ना करना, ब्रह्मचर्य का पालन करना ही जैन धर्म के सिद्धांतों को रेखांकित करता है।

महासभा बेबसाइट पर उपलब्ध है

छात्रवृत्ति हेतु आवेदन फार्म, महासभा सदस्य बनने हेतु सदस्यता फार्म

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन श्रुत संवर्धिनी महासभा, आचार्य शांतिसागर छात्रवृत्ति योजना के तहत अर्थाभावग्रस्त दिगम्बर जैन मेधावी छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु आचार्य शांतिसागर छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। आवेदन कैसे करें - आप सभी से निवेदन है कि आप अपने आस-पास अर्थाभावग्रस्त दिगम्बर जैन मेधावी छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु, आचार्य शांतिसागर छात्रवृत्ति योजना के लिए सम्पर्क करें अथवा महासभा की वेबसाइट लिंक www.digjainmahasabha.org - अथवा www.digjainmahasabha.org/scholershipfrom.pdf से छात्रवृत्ति हेतु फार्म डाउनलोड कर अपने दस्तावेज संकलित करके महासभा कार्यालय में भिजवा देवें। बेबसाइट पर श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा का सदस्य बनने हेतु आनलाइन सदस्यता फार्म, माईनारिटी सर्टीफिकेट फार्म उपलब्ध है। समाज से निवेदन है कि महासभा के सदस्य बनकर धर्म एवं समाज की सेवा हेतु सहयोग प्रदान करें। किसी भी प्रकार की समस्या हेतु कृपया ईमेल करें- digjainmahasabha@gmail.com सम्पर्क सूत्र - श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, 5, खण्डेलवाल दिगम्बर जैन मंदिर परिसर, शिवाजी स्टेडियम के पीछे राजा बाजार, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001 दूरभाष: 011-23344668, 23344669

क्षमावाणी पर विशेष : क्षमावाणी मनोमालिन्य धोने का पर्व

- डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर, सह सम्पादक जैन गजट

भारत की प्राचीन श्रमण संस्कृति की अत्यन्त महत्वपूर्ण 'जिन' परम्परा ने क्षमा को पर्व के रूप में प्रचलित किया है। जैनों के प्रमुखतम पर्व में 'क्षमापर्व' है। इसे क्षमावाणी भी कहते है।विश्व के इतिहास में यह पहला पर्व है, जिसमें शुभकामना, बधाई, उपहार न देकर सभी जीवों से अपने द्वारा जाने-अनजाने में किए गए समस्त अपराधों के लिए क्षमायाचना करते है। क्षमा करने और क्षमा माँगने के लिए विशाल हृदय की आवश्यकता होती है। तीर्थंकरों ने सम्पूर्ण विश्व में शांति की स्थापना के लिए सूत्र दिया है-

खम्मामि सव्वजीवाणं,सव्वे जीवा खमंतु मे।
मित्ती मे सव्वभूदेसु, वैरं मज्झं ण केणवि।।

अर्थात मै सभी जीवों को क्षमा करता हूँ। सभी जीव मुझे भी क्षमा करें। मेरी सभी जीवों से मैत्री है। किसी के साथ मेरा कोई वैर भाव नहीं है। क्षमावाणी का पर्व सौहार्द, सौजन्यता और सद्भावना का पर्व है। आज के दिन एक दूसरे से क्षमा मांगकर मन की कलुषता को दूर किया जाता है। मानवता जिन गुणों से समृद्ध होती है उनमें क्षमा प्रमुख और महत्वपूर्ण है। कषाय के आवेग में व्यक्ति विचार शून्य हो जाता है और हिताहित का विवेक खोकर कुछ भी करने को तैयार हो जाता है। लकड़ी में लगने वाली आग जैसे दूसरों को जलाती ही है, पर स्वयं लकड़ी को भी जलाती है। इसी तरह क्रोध कषाय को समझ पर विजय पा लेना ही क्षमा धर्म है।

रामधारी सिंह दिनकर ने कहा है कि क्षमा वीरों को ही सुहाती है। उन्होंने लिखा है कि क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो, उसका क्या जो दंतहीन, विषहीन, विनीत सरल हो। क्षमा को सभी धर्मों और संप्रदायों में श्रेष्ठ गुण करार दिया गया है। जैन संप्रदाय में इसके लिए एक विशेष दिन का आयोजन क्षमावाणी के रूप में किया जाता है। मनोविज्ञानी भी क्षमा या माफी को मानव व्यवहार का एक अहम हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि यह इंसान की जिन्दगी का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। क्षमावणी पर्व हमारी वैमनस्यता, कलुषता बैर-दुश्मनी एवं आपस की तमाम प्रकार की टकराहटों को समाप्त कर जीवन में प्रेम, स्नेह, वात्सल्य, प्यार, आत्मीयता की धारा को बहाने का नाम है, हम अपनी कषायों को छोड़ें, अपने बैरों की गांठों को खोलें, बुराइयों को समाप्त करें, बदले, प्रतिशोध की भावना को नष्ट करें, नफरत- घृणा, द्वेष बंद करें, आपसी झगड़ों, कलह को छोड़ें। अनुसंधानकर्ताओं ने यह निष्कर्ष निकाला है कि लम्बे समय तक मन में बदले की भावना, ईर्ष्या-जलन और दूसरों के अहित का चिन्तन और प्रयास करने पर मनुष्य भावनात्मक रूप से बीमार रहने लगता है। जीवन में जब भी कोई छोटी-बड़ी परेशानी आती है तब व्यक्ति अपने मूल स्वभाव को छोड़कर पतन के रास्ते पर चल पड़ता है जो कि सही नहीं है, हर व्यक्ति को अपना आत्मचिंतन करने के पश्चात सत्य रास्ता ही अपनाना चाहिए। हमारी आत्मा का मूल गुण क्षमा है। जिसके जीवन में क्षमा आ जाती है उसका जीवन सार्थक हो जाता है। क्षमायाचना और क्षमादान चाहे दो आत्मीय जनों के बीच हो अथवा समूहों या राष्ट्रों के बीच, यदि ईमानदारी के साथ क्षमायाचना की जाती है तो यह अपमान की भावना का निराकरण करती है। क्षमा में बहुत बड़ी शक्ति होती है। क्षमाशीलता का भारी महत्व है, पर हम इसके बारे में बहुत कम ध्यान देते हैं। क्षमा का जीवन में बहुत बड़ा महत्व है। अगर इंसान कोई गलती करे और उसके लिए माफी मांग ले तो सामने वाले का गुस्सा काफी हद तक दूर हो जाता है। जिस तरह क्षमा मांगना व्यक्तित्व का एक अच्छा गुण है, उसी तरह किसी को क्षमा कर देना भी इंसान के व्यक्तित्व में चार चांद लगाने का काम करता है। क्षमायाचना करने के लिए हममें अपनी गलती, असफलता और कमजोरी को स्वीकार करने की क्षमता होनी जरूरी है पर निरंतर जीत के लिए हम इतने आतुर होते है कि अपनी गलतियों और कमजोरियों को स्वीकार करने की हमें फुरसत ही नहीं मिलती। क्षमा ने ही युगों-युगों से मानव-जाति को नष्ट होने से बचाया है। किसी को किसी की भूल के लिए क्षमा करना और आत्मग्लानि से मुक्ति दिलाना एक बहुत बड़ा परोपकार है। क्षमा करने की प्रक्रिया में क्षमा करने वाला क्षमा पाने वाले से कहीं अधिक सुख पाता है। अगर आप किसी की भूल को माफ करते हैं तो उस व्यक्ति की सहायता तो करते ही हैं साथ ही साथ स्वयं की सहायता भी करते हैं। किसी ने ठीक ही लिखा है - जैसा भी हो सम्बन्ध बनाये रखिये, दिल मिले या न मिले हाथ मिलाते रहिये।

समाधि दिवस पर विशेष : आचार्य विद्यानंद जी कैसे बने श्वेतपिच्छाचार्य विद्यानन्द

पदम जैन बिलाला, जयपुर

आचार्य रत्न श्री देश भूषण जी महाराज से आचार्य पद प्राप्त सिद्धान्त चक्रवर्ती परमपूज्य आचार्यश्री विद्यानन्द जी मुनिराज ने कुन्दकुन्द भारती दिल्ली में आयोजित एक धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए 24 जुलाई, 2010 को कहा था कि साधु और श्रावक एक दूसरे के पूरक हैं। निश्चय और व्यवहार धर्म यह दो अलग अलग है। अनेक महापुरुषों पर संकट आये हैं। भगवान आदिनाथ को भी अशुभ कर्मों ने नहीं छोड़ा और 6 महीने तक आहार की विधि नहीं मिली थी।

मयूर पंख पर प्रतिबंध – इसी प्रकार जब 2 मई, 2010 को दिगम्बर साधु समुदाय पर सरकार की ओर से मयूर पंख पर प्रतिबन्ध लगाने की बात को लेकर समाज में चिंता व्याप्त हो गई थी, क्योंकि आदिकाल से दिगम्बर साधु की मुद्रा मयूर पिच्छि एवं कमण्डलु ही है। सरकार के मयूर पंख पर प्रतिबन्ध लगाने के अध्यादेश के कारण जैन समाज में हड़कम्प मच गया, क्योंकि मयूर पिच्छि तो जैन साधुओं का प्रतीक चिन्ह है।

आचार्य विद्यानंद जी लिखाया विरोध पत्र - आचार्यश्री ने मयूर पंखों के प्रतिबंध वाले अध्यादेश के विरोध में केन्द्र सरकार को पत्र लिखवाकर और पत्रों के साथ आगमों के अनेक प्रमाण, पुरातत्वों से प्राप्त अनेक चित्र आदि प्रामाणिक सामग्री भेजकर यह सिद्ध किया कि यह मयूर पंख धार्मिक चिह्न के रूप में मान्य है। अतः इस पर से प्रतिबंध हटाना ही उपयुक्त है क्योंकि किसी भी धार्मिक चिह्न पर प्रतिबन्ध लगाना असंवैधानिक है। केंद्र सरकार ने कालान्तर में मयूर पंख पर लगाए प्रतिबंध को वापस ले लिया था।

विदेश से आये श्वेत मोर पंख - लेकिन इधर मयूर पंख पर प्रतिबंध की सूचना विदेशों में रहने वाले जैन भक्तों को भी मिली, उन्होंने तत्काल वहाँ से श्वेत मयूर पंख भारत भिजवाये और उनसे निर्मित एक श्वेतपिच्छी तैयार की गई और विद्यानन्द जी श्वेत पिच्छी भेंट की गई और उसी समय वहाँ मौजूद पूज्य उपाध्याय श्री प्रज्ञसागर जी ने कहा कि अब आचार्यश्री जी का नाम श्वेतपिच्छाचार्य होगा। उपस्थित समुदाय ने उसकी अनुमोदना करते हुए श्वेतपिच्छाचार्य के अलंकरण के साथ जयघोष का उच्चारण किया। तब से आचार्यश्री जी का विरूद हुआ श्वेतपिच्छाचार्य। श्री विद्यानन्द मुनिराज राष्ट्र सन्त प्रमुख विचारक, दार्शनिक, संगीतकार, संपादक, संरक्षक, महान तपोधनी, श्वेतपिच्छाचार्य आचार्य श्री विद्यानंदजी मुनिराज की 94 वर्ष की अवस्था में 22 सितम्बर 2019 गुरुवार को दिल्ली में संल्लेखनापूर्वक समाधि हुई और उस समय मौजूद प्रिय शिष्य आचार्य वसुनन्दी जी मुनिराज के अनुसार इसके साथ ही एक युग का अंत हो गया।

आत्मानुभव व शिवत्व में रमण

वर्तमान के भौतिकवादी युग में नग्न साधना एक महान विस्मयकारी, कष्ट साध्य कठिन साधना है। कहते हैं श्रमण साधना के द्वारा जन्म-जरा -मृत्यु का बंधन सदैव-सदैव के लिये काटा जा सकता है। वर्तमान में दिगम्बर मुनि आचार्य भगवन्तों का दर्शन पूर्वोत्तर में सुलभ है। इसलिये जैन -जैनेतर सभी नग्न साधुओं की साधना से न्यूनाधिक परिचित भी हैं। ऐसे तो हर धर्म में शिक्षा-दीक्षा की पावन परंपरा है परन्तु जैन धर्म में यह विधि-विधान साध पाना अत्यंत कठिन है। दशलक्षण धर्म, सोलहकारण भावना, पर्व और व्रत के रूप में अष्टान्हिका, चतुर्दशी-अष्टमी आदि अनेक दिन ऐसे हैं जिससे श्रावक को भी मोक्षमार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। वैसे भी हम जैनियों का जीवन लक्ष्य तो आत्मानुभव, शिवत्व में रमण ही है। वर्तमान में गुवाहाटी में आचार्य श्री प्रमुख सागर जी अपने चातुर्मास की अवधि में अपने द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा जैन जनमानस में धर्म के बीज बोकर, खाद पानी देकर अधर्म रुपी खर पतवार उखाड़ने का कार्य एक माली बनकर जनमानस की आत्मा को परमात्मा बनाने का मार्ग प्रशस्त कर रहे है। आचार्य श्री प्रमुख सागर जी महाराज के दिगम्बरत्व की गौरव गरिमा को अक्षुण्ण बनाये रखते हुये आइये हम सभी संगठित होकर दशलक्षण महापर्व पर इनसे धर्म का ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही इनके प्रति पूर्ण समर्पित होकर परम पूज्य आचार्य श्री का श्रेयस बरकरार बना रहे यह आदि प्रभु से प्रार्थना करें।

– प्रमोद –सुलोचना अमित –ज्योति रिया –प्रतिक पाटनी, गुवाहाटी

भाद्रपद मास में आने वाले व्रत (सन 2023)

दशलक्षण व्रत - भाद्रपद शु. चतुर्थी से चतुर्दशी (नवमी/दशमी एक है, दशमी का क्षय है) - 18 सितम्बर से 28 सितम्बर, 2023
पंचमेरू व्रत -भाद्रपद शु. पंचमी से नवमी - 20 सितम्बर से 24 सितम्बर, 2023
आकाश पंचमी व्रत - भाद्रपद शु. पंचमी - 20 सितम्बर, 2023
निर्दोष सप्तमी व्रत - भाद्रपद शु. सप्तमी - 22 सितम्बर, 2023
निःशल्य अष्टमी व्रत - भाद्रपद शु. अष्टमी - 23 सितम्बर, 2023
सुगंध दशमी व्रत - भाद्रपद शु. नवमी/दशमी (दशमी क्षय) - 24 सितम्बर, 2023
कांजीबारस - भाद्रपद शु. द्वादशी - 26 सितम्बर, 2023
रत्नत्रय व्रत - भाद्रपद शु. त्रयोदशी से पूर्णिमा - 27 से 29 सितम्बर, 2023
अनंत व्रत - भाद्रपद शु. चतुर्दशी - 28 सितम्बर, 2023
कर्म निर्जरा व्रत - भाद्रपद शु. चतुर्दशी - 28 सितम्बर, 2023
क्षमावाणी पर्व - आश्विन कृ. एकम - 30 सितम्बर, 2023

जीवन की सफलता के लिए मस्तिष्क में आइस की फैक्ट्री और जुबान पर शुगर की मशीन लगायें

- आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

उदगांव। अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का महाराष्ट्र के उदगांव में 2023 का ऐतिहासिक चौमासा चल रहा है, इस दौरान आपने प्रवचन में कहा कि मन, भाव और विचार ऐसे रखो कि आपके मन की निश्छलता, भावों की विशुद्धि और विचारों की पारदर्शिता पर लोग विचार करें। अच्छा सोचें, अच्छा देखें, अच्छा बोलें, अच्छा सुनें, अच्छा करें और सबके प्रति सदभाव प्रेम बनाकर चलें फिर देखें, सफलता कैसे आपके चरण चूमती है। जीवन की सफलता के लिए मस्तिष्क में आइस की फैक्ट्री और जुबान पर शुगर की मशीन लगायें। जो लोग धैर्य, विवेक, बुद्धि और संकल्प के श्रम से अपने कार्य को अंजाम देते हैं, वही लोग सफलताओं के शिखर पर पहुंच पाते हैं। जो जीवन में आने वाली हर एक समस्या को समता की बुहारी से अपने मार्ग को बुहारते चले जाते हैं, वे लोग ही हँसते मुस्कुराते हुये एक दिन अपने लक्ष्य को पा लेते हैं। जीवन के हर मार्ग में, फूल है तो कांटे भी मिलेंगे, अच्छा है तो बुरे का सामना भी करना पड़ेगा, फर्श है तो फिसलन भी मिलेगी और बहुत कुछ देखने और सुनने को भी मिलेगा। यदि हम इन सबमें उल्झेंगे तो हम अपने लक्ष्य और मंजिल तक नहीं पहुंच पायेंगे। इसलिए अपने लक्ष्य और मंजिल को अर्जुन की तरह ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ते रहो..।

– नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल, संवाददाता

शेष पृष्ठ 1 का .....आचार्य श्री शांति सागर जी भरत क्षेत्र के सूर्य हैं

अनावरण एवं दीप प्रज्वलन का सौभाग्य आचार्य श्री के दीक्षित साधुओं के गृहस्थ अवस्था के परिजनों को प्राप्त हुआ। सर्वश्री पंडित हँसमुख जी, धर्मचंद गुरुजी, डॉक्टर महेश, राजेश पंचोलिया, देवेंद्र बोहरा, राजकुमार अखावत आदि परिवारों ने आचार्य शांति सागर जी के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया तथा पूर्वाचार्य को अर्घ्य समर्पित किया। आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन, शास्त्र भेंट और अर्घ समर्पित करने का सौभाग्य सकल जैन समाज के अध्यक्ष शांतिलाल वेलावत एवं सुरेश पद्मावत को प्राप्त हुआ। आचार्य शांति सागर जी के जीवन पर उपस्थित विद्वानों सर्वश्री पंडित हँसमुख जी शास्त्री, पंडित धर्मचंद जी शास्त्री, गुरु जी शांतिलाल वेलावत, सुरेश पद्मावत, श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जी गंगवाल, राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रकाशचन्द्र जी बड़जात्या चेन्नई तथा अन्य वक्ताओं ने आचार्य श्री के जीवन के बारे में जानकारी दी। जैन गजट का तथा आचार्य श्री शांति सागर जी पर होने वाली आगामी प्रतियोगिता पोस्टर का विमोचन अतिथियों ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश सिंघवी, राजेश देवड़ा ने किया।

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन संतों के पावन चरणों में नमन वंदन अभिनंदन। क्षमावाणी के पावन पर्व पर हृदय से क्षमा भाव

प.पू. चारित्र चक्रवर्ती आचार्य 108 श्री शान्तिसागरजी महाराज

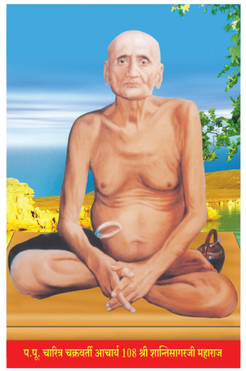

प.पू. तपस्वी सम्राट आचार्य 108 श्री सन्मतिसागर जी महाराज

प.पू. षष्ट्म पट्टाचार्य 108 श्री अभिनंदनसागर जी महाराज

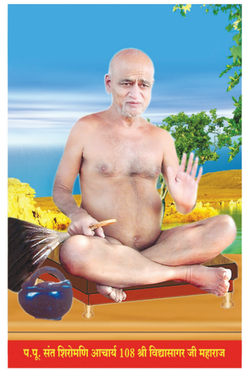

प.पू. संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज

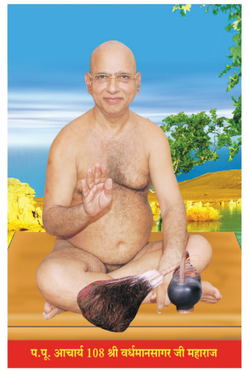

प.पू. आचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज

प.पू. गणधराचार्य 108 श्री कुन्थुसागर जी महाराज

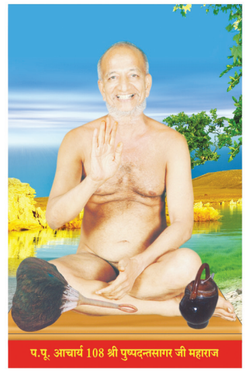

प.पू. आचार्य 108 श्री पुष्पदन्तसागर जी महाराज

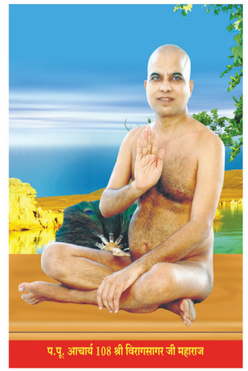

प.पू. आचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज

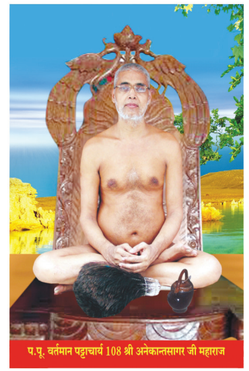

प.पू. वर्तमान पट्टाचार्य 108 श्री अनेकान्तसागर जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री सुनीलसागर जी महाराज

परम पूज्य भारत गौरव
आचार्य श्री पुलकसागर जी महाराज

ज्ञान, चारित्र एवं तप की उत्कृष्ट साधना का महापर्व
पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व दश धर्मों की आराधना के (दशलक्षण) पर्व की
स्वर्णिम बेला पर कोटि-कोटि बधाई एवं अनंत शुभकामनाऐं
क्षमावाणी पावन पुनीत अवसर पर हृदय के गहन स्थल अंतर्मन
से क्षमायाचना सादर समर्पित
|| उत्तम क्षमा - मिच्छामि दुक्कड़म ||

प.पू. आचार्य 108 श्री देवनन्दी जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री गुप्तिनन्दी जी महाराज

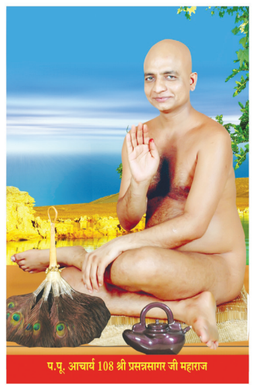

प.पू. आचार्य 108 श्री प्रसन्नसागर जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी महाराज

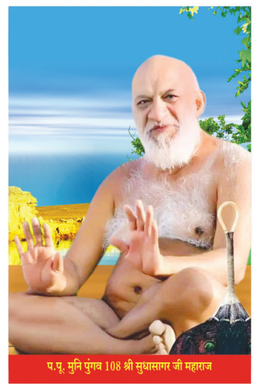

प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज

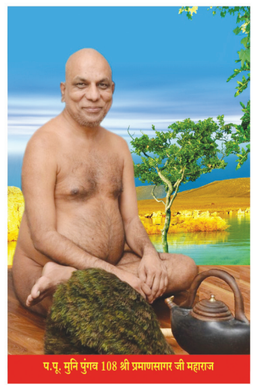

प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री प्रमाणसागर जी महाराज

प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री पुण्यसागर जी महाराज

प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री पूज्यसागर जी महाराज

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 ज्ञानमती माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 विशुद्धमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 सुप्रकाशमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 पूर्णमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 विन्ध्यश्री माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 सुभूषणमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 चन्दनामति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 प्रज्ञामति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभुषण माताजी

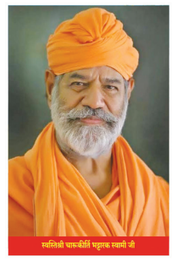

स्वस्तिश्री चारूकीर्ति भट्टारक स्वामी जी

स्वस्ति श्री रवीन्द्र कीर्ति स्वामी जी

पं. मधुकान्त जोशी
(व्यवस्थापक)

मेवाड़ केटर्स

म.नं. 21, सखवाल नगर (रंगकारखाना) राम मंदिर, रतलाम (म.प्र.)
मो. 9981888980, 9425355761, 07412-235232

Best Food | Super Vision | Catering Service

मंदिर, पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव तथा अन्य मांगलिक उत्सवों पर शुद्ध सात्विक भोजन बनाने की सम्पूर्ण व्यवस्था

सौभाग्य प्राप्त

* श्री दिगम्बर जैन महाकुंभ श्री 1008 भगवान श्री गोम्मटेश्वर बाहुबली स्वामी जी महामस्तकाभिषेक तथा अंतर्राष्ट्रीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव 2018, श्री श्रवण बेलगोला (कनार्टक)
* श्री मांगीतुंगी जी सिद्धक्षेत्र 2016, अंतर्राष्ट्रीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ।
* 2020 में श्री स्वस्तिधाम (जहाजपुर)
* 2022 में श्री बड़े बाबा (कुण्डलपुर)
* 2022 में श्री जम्बूद्वीप (हस्तिनापुर)
* 2022 में श्री महावीरजी (राज.)

श्रद्धेय स्वामी देवेन्द्र भाई

मन से, वचन से, कर्म से, अभिमान में या भूलकर,
हमने दुखाया हो कभी, दिल आपका यदि भूलकर,
अथवा किये अपराध हों, गत वर्ष में जो कुछ कभी,
अपनी सरलता से उन्हें, करना कृपया क्षमा सभी।।

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

अशोक जैन चूड़ीवाल

बड़पेटा रोड (आसाम)

मो. 9435124862

।। क्षमा वीरस्य भूषणं।।
क्षमावाणी पर्व पर विगत वर्षो में हुई
भूलों के लिये आप सभी से
हार्दिक क्षमा याचना

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

डॉ. रमा जैन

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-
तीर्थ संरक्षिणी महासभा
ट्रस्टी- श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन
महासभा चेरिटेबुल ट्रस्ट
दिल्ली - 110033

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन
संतों के पावन चरणों में नमन वंदन अभिनंदन।
क्षमावाणी के पावन पर्व पर हृदय से क्षमा भाव।

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

संजीव जैन

जैन प्लास्टिक
369-ए, मोतीनगर, ऐशबाग
लखनऊ (उ.प्र.) 226004
मो. 9415017824

क्षमावाणी पर्व पर विगत में हुई
भूलों के लिये आप सभी से
हार्दिक क्षमा याचना सहित

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

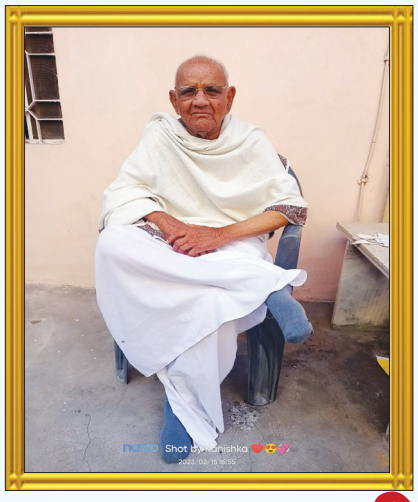

साधना साधक दशम प्रतिमाधारी

अष्टांग निमित्तज्ञानी, वयोवृद्ध विद्वान

बसन्त कुमार शास्त्री

संयम शिवाड़ वाले,
मो. 8107581334

क्षमा वीरस्य भूषणम् : हम सभी की ओर से आप सभी से उत्तम क्षमा

जीवन यात्रा में चलते-चलते स्वार्थ, मोह, अज्ञानवतावश हुई समस्त भूलों के लिये सच्चे उदार हृदय से क्षमा याचना करते हुये हम आपके स्नेही मैत्री भाव की कामना करते हैं।

दशलक्षण महापर्व की सानंद सम्पन्नता एवं क्षमावाणी महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

-: क्षमाप्रार्थी एवं शुभाकांक्षी :-

संदीप जैन
गुरुग्राम (हरियाणा)
राष्ट्रीय महामंत्री
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा
मो. 09810085563

हंसमुख जैन गांधी
इंदौर
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

हेमचंद जैन
रिषभ विहार, दिल्ली
मो. 9810015678

महावीर ठोले
महामंत्री
श्री भारतवर्षीय तीर्थ संरक्षिणी महासभा
महाराष्ट्र प्रांत,
औरंगाबाद (महा.)
मो. 7588044495

प्रकाश बोहरा
ट्रस्टी-
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा चेरिटेबुल ट्रस्ट
डी-209, सेकेण्ड फ्लोर साकेत,
दिल्ली - 110017
मो. 9810298267

महावीर प्रसाद अजमेरा
वरिष्ठ जैन गजट संवाददाता
जोधपुर (राज.)

शरद राज कासलीवाल
रजनी जैन
ट्रस्टी- श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा चेरिटेबुल ट्रस्ट
ए-15, प्रशांत विहार, सेक्टर-14,
रोहणी, दिल्ली - 110085
मो. 9312210588

रमेश कुमार
गुणमाला काला
हैदराबाद
(आंध्र प्रदेश)

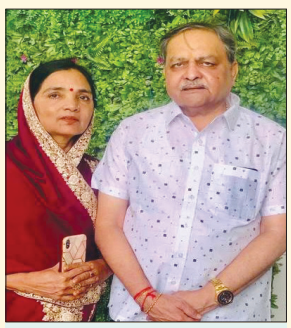

अशोक कुमार पाटनी
केन्द्रीय मंत्री- श्री भारतवर्षीय दिग. जैन महासभा
अध्यक्ष-दिगम्बर जैन समाज इम्फाल, अशोक स्टील, थांगल बाजार,, इम्फाल (मणीपुर)
-795008, मो. 9612328688

सुरेश सबलावत
एफ-66, रामपथ, श्यामनगर
जयपुर (राज.)
302019
मो. 9828111101

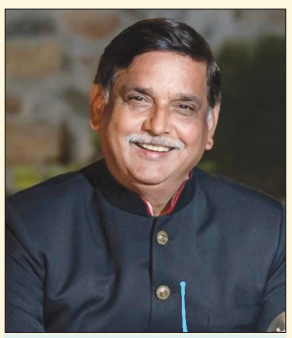

प्रकाशचंद गंगवाल
(सुजानगढ़)
ललित गंगवाल,
गुवाहाटी
(आसाम)
मो. 9864279788

धर्मवीर जैन
लखनऊ
मो. 9335910926

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन संतों के पावन चरणों में नमन वंदन अभिनंदन। क्षमावाणी के पावन पर्व पर हृदय से क्षमा भाव।
पर्वराज श्री दशलक्षण की सानन्द सम्पन्नता पर महापर्व क्षमावाणी के अवसर पर गत वर्ष में हमसे जाने-अनजाने में मन-वचन-काय से हुई भूलों के लिए

आप सभी से हृदय से क्षमा याचना

: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी:

TRADE CENTRE

288, Shopping Centre, Kota-324007 (Raj.)
Phone : 0744-2361159, 2362871
Fax : 2362652 Email- tradecen@datainfosys.net
Consignment Agent : Shell Ind. MKTS. P. Ltd.
Liasioning Agent : Vuith Turbo L & T. Ltd.
मोबाइल 9314336626

बी. एल. जैन

श्रीमती निर्मला जैन

मन में शांति, पवित्रता और संतोष ही उत्तम शौच धर्म - आचार्य गुप्तिनंदी जी

एम. सी. जैन, संवाददाता

चिकलठाणा। पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व में क्षमा, मार्दव, आर्जव के बाद आज शुक्रवार, भाद्रपद, शु. सप्तमी को नवनिर्मित तीर्थक्षेत्र 'धर्म तीर्थ' से क्षेत्र पर पधारे भाविक, समाज और राष्ट्र को संबोधित करते हुये आचार्य गुप्तिनंदी जी महाराज श्री ने उत्तम शौच धर्म पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि मन में शांति होना, मन में पवित्रता के भाव होना और सदैव मन में संतोष रहना मानवता के लिये यही उत्तम शौच धर्म है। उत्तम शौच धर्म केवल व्यक्ति के लिये, परिवार के लिये ही नहीं, समाज, राष्ट्र और समस्त विश्व के लिये महत्व रखता है।

जैन समाज का प्रतिनिधि कौन और समाधान क्या ?

डॉ चिरंजी लाल बगड़ा, कोलकाता

जैन समाज के चार घटक है, दिगंबर, मूर्ति पूजक, स्थानक वासी और तेरहपंथी (अंतिम तीनों श्वेतांबर समाज) तेरहपंथ के आचार्य महाश्रमण जी और मूर्तिपूजक के कल्याणजी आनंदजी पेढी को उनका प्रतिनिधि माना जा सकता है, क्योंकि उनके पीछे पूरे समाज की ताकत है परंतु दिगंबर समाज और स्थानकवासी समाज की स्थिति भिन्न है। संपूर्ण जैन समाज का, चारों संप्रदायों का, राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व कर सकें, ऐसा न कोई व्यक्ति है और न कोई संस्था। जैन समाज अभी विकट परिस्थितियों से गुजर रहा है, तीर्थो पर कब्जा, धर्मांतरण, समाज विघटन, चारों संप्रदायों में समन्वय की कमी, संतों में सौहार्द की कमी, घटती जनसंख्या, संस्कारों का विलोपन, अनेक परिवारों का आर्थिक संकट से जूझना, सामाजिक असमानता एवं धार्मिक आयोजनों मे बेतहासा प्रदर्शन, असमान लिंग अनुपात, विजातीय विवाह एवं बढ़ते तलाक, एकल परिवारों की समस्या आदि आदि। दिगंबर जैन समाज में संस्थाएँ बहुत है परंतु सब सिर्फ मंचीय। राष्ट्रीय नेता सब बिना फौज वाले कमांडर है, न किसी के पास समाज का कोई रोडमेप है और न कोई बड़ा ध्रुव फंड। सब रोज कुँवा खोदकर पानी पीने वाले। संतों में वरिष्ठ प्रभावशाली राष्ट्रीय संत तो है, परंतु उन्हें समाज से कोई सरोकार नहीं, वे राष्ट्रीय स्तर की समस्यायों को सुलझाने में व्यस्त है, घर भले ही अस्त व्यस्त रहे। अन्य सब अपने अपने एजेंडा में लगे है, समग्र समाज की चिंता किसी को नहीं। अभी सन्मति वाणी पत्रिका में स्व. प्रदीप जी काशलीवाल, इंदौर का मन्दिर महासंघ के बारे में लेख पढ़ा, मेरी उनसे व्यक्तिगत अनेक बार इस विषय पर चर्चा होती रहती थी। अपने अंतिम दिनों में श्री निर्मल जी सेठी भी इसी दिशा में सोचते थे।समाज के दोनों स्तंभ सिर्फ सोचते सोचते इस संसार से विदा हो गए, ऐसे में समाज के मौजूद वर्तमान श्रेष्ठियों एवं संस्था प्रमुखों का दायित्व बनता है कि समाज में बढ़ रही समस्यायों और विकृतियों के समाधान की दिशा में तत्परता से सोचें एवं शीघ्र ही एक विशाल चिंतन बैठक का आयोजन कर उचित कारगर कदम उठाएं। मंदिर महासंघ का गठन दिगंबर जैन समाज के भविष्य को सुरक्षित करने का एक दूरगामी कदम है जिससे समाज की अनेक समस्यायों का हल आसानी से संभव होगा एवं राजनीति में भी हमारी पकड़ मजबूत होगी, शुभस्य शीघ्रम।

इस पृष्ठ में और पृष्ठ 10 व 11 पर प्रकाशित

विज्ञापनों के प्रयास कर्ता:
जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता
पारस जैन पार्श्वमणि
पत्रकार, जैन युवा पत्रकार गौरव, सर्वश्रेष्ठ संवाददाता अवार्ड विजेता,
ब्यूरे हेड पारस टी.वी. चैनल
ए 145, आर. के. पुरम, कोटा
(राज.) मो. 09414764980

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन संतों के पावन चरणों में नमन वंदन अभिनंदन। क्षमावाणी के पावन पर्व पर हृदय से क्षमा भाव।

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

निदेशक साधना मादावत
मो.
9424090608,
8962830838

उत्तम क्षमा

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन संतों के पावन चरणों में नमन वंदन अभिनंदन। क्षमावाणी के पावन पर्व पर हृदय से क्षमा भाव।

पुणे महाराष्ट्र के प्रसिद्ध ज्योतिष गुरू जो पिछले 18वर्षो से सेवा दे रहें सभी समाजो में लोकप्रिय हैं, पूरे देश में जिन्होंने ज्योतिष के क्षेत्र में अच्छा नाम कमाया एक बार अवश्य वास्तु एवम अपनी जन्म कुंडली जरूर दिखाए।

ज्योतिष गुरू विनोद धर्म चंद शास्त्री

सम्पर्क करें:- विनोद धर्म चंद शास्त्री
मो. 8308601234, 9423019660, 9881325068

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन संतों के पावन चरणों में नमन वंदन अभिनंदन। क्षमावाणी के पावन पर्व पर हृदय से क्षमा भाव।

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

अजय जैन-श्रीमती अर्चना जैन, कुमारी प्रियल, सक्षम हरसौरा, भानपुरा पता-अजय गारमेन्टस भानपुरा, जिला-मंदसौर (म.प्र.) 458775
मो. 9424076950

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन संतों के पावन चरणों में नमन वंदन अभिनंदन। क्षमावाणी के पावन पर्व पर हृदय से क्षमा भाव।

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

इंजी. श्री पी. टी. जैन

श्रीमती अभिलाषा जैन

(इंजी.) प्रियक जैन-
(इंजी.)
चीना जैन
चि. पराग जैन

निवास : 6 A12 तीन बत्ती, मेन रोड, बसन्त बिहार, कोटा 0744. 2400400 09462733133

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन संतों के पावन चरणों में नमन वंदन।

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

श्री दिगम्बर जैन समिति, विज्ञान नगर
श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, विज्ञान नगर, कोटा-324006 (राज.)
(रजि. नं. 28/80-81)

राजमल जैन पाटोदी अध्यक्ष मो. 9414176474	पारसमल जैन (सी.ए.) कार्याध्यक्ष मो. 9352621024	रितेश सेठी कार्याध्यक्ष मो. 9413353130
बाबूलाल जैन कोषाध्यक्ष मो. 9413470348	पी. के. हरसोरा मंत्री मो. 9413404140	अनिल जैन ठोरा महामंत्री मो. 9352609001

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य

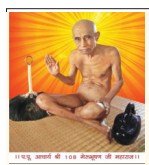

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन संतों के पावन चरणों में नमन वंदन अभिनंदन। क्षमावाणी के पावन पर्व पर हृदय से क्षमा भाव।

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

जितेन्द्र कुमार जैन (महामंत्री)
श्री दिगम्बर जैन शिक्षा समिति
एमडी जैन इण्टर कॉलेज आगरा
सौरभ जैन -असिस्टेन्ट डायरेक्टर इन्कमटेक्स, दिल्ली
मो. 9412485693

सपरिवार

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन संतों के पावन चरणों में नमन वंदन अभिनंदन। क्षमावाणी के पावन पर्व पर हृदय से क्षमा भाव।

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

अनिल कुमार जैन
(B.S.N.L.)
मं.नं. 191/8 सेक्टर 19
प्रताप नगर, जयपुर
(राज.) 302033
मो. 9414001041

नेमीनाथ भगवान छोटा गिरनार जी बापू गांव

क्षमावाणी के परम पुनीत पावन स्वर्णिम शुभ अवसर पर भारतवर्ष के समस्त श्रद्धालुओं से हृदय के गहन स्थल से हार्दिक क्षमा याचना व सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान साधुसन्तों के पावन चरणों में नमन शत शत अभिनंदन

मुनिश्री 108 प्रज्ञासागर जी मुनिराज का मंगल आशीर्वाद

अनिल कुमार जी पाण्ड्या

(संरक्षकः प्रसिद्ध तीर्थक्षेत्र, छोटा गिरनार)

श्रीमती उषा जी पाण्ड्या

बनेठा वाले

-: शुभाकांक्षी :-

नितिन-निशा जैन, विपिन-परमा जैन (पुत्र-वधु), अदिति, जीविशा, इनाया (पौत्रियां) एवं समस्त बनेठा वाला परिवार, सांगानेर, जयपुर (राज.)

-: प्रतिष्ठानः-

USHA TEXTILES (BANETHA WALE)
All Kinds of Dyeing & Printing Job works Ashawala Sikarpura Road, Sanganer, Jaipur (Raj.)

ADITI FASHION (BANETHAWALE)
All Kinds of Redymade Garments
2, Prem Colony, Behind Hanuman Tube Well Co., Tonk Road, Sanganer, Jaipur (Raj.)

9214068263, 9829068263, 9829058263, 9928367143

क्षमावाणी पर्व पर विगत वर्षो में हुई भूलों के लिये आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित

शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी

मुनिभक्त दानवीर स्व. श्री हंसराज जी जैन अग्रवाल व स्व. श्रीमती चांददेवी अग्रवाल एवं स्व. श्री प्रकाशचन्द जी अग्रवाल मारूजी लाम्बा वाले परिवार

श्रीमती गायत्री जैन-ध.प.स्व. श्री प्रकाश चन्द जी जैन, गोविन्द जैन-श्रीमती राज जैन (जर्मनी वाले), जगदीश चंद जैन-श्रीमती रेखा रानी जैन, कमल जैन-श्रीमती सुनीता जैन (पुत्र-पुत्रवधु), जितेन्द्र जैन-श्रीमती नियती जैन, विकास जैन-श्रीमती प्रियंका जैन (जर्मनी वाले), अंकित जैन-श्रीमती याशिका जैन (पौत्र-पौत्रवधु) व विशाल जैन (पौत्र) अमन, प्राजंल एवं डेलिशा (ईशान व विवान जर्मनी वाले) (प्रपौत्र, प्रपौत्री)

प्रतिष्ठानः ➢ हंसराज एण्ड कम्पनी, 75, जौहरी बाजार, जयपुर फोन 0141-2577150, ➢ एच.आर.पैलेसः गोविन्द विकास जैन (जर्मनी वाले), 48-49, चौड़ा रास्ता (नियर साईबाबा मंदिर), जयपुर (राज.) ➢ Jains Import Export Co. Bangkok (Thailand). वी. डायमंड, मुंबई

आवासः 39, प्रताप नगर, स्कीम-3, ग्लास फैक्ट्री के पास, टोंक रोड, जयपुर (राज.) 0141-2702814

क्षमावाणी के सुअवसर पर सम्पूर्ण भारतवर्ष के श्रद्धालुओं से हृदय के गहन स्थल से अन्तर्मन से हार्दिक क्षमा याचना

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

अमरचंद दीवान-उषा दीवान
(कार्यकारिणी सदस्य - राजस्थान जैन सभा, महामंत्री - श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर खोरा बीसल, मंत्री - श्री चन्द्रप्रभु अतिशय क्षेत्र चन्द्रगिरी बैनाड़, उपाध्यक्ष - जैन सोशल ग्रुप अरिहंत, संयोजक - श्री दि. जैन पदयात्रा संघ 2011, सदस्य - वीर सेवक मंडल, जयपुर, कार्यकारिणी सदस्य - श्री दिगम्बर जैन एकता मंच जयपुर

स्व. श्रीमती विमला देवी जैन धर्मपत्नी श्री निहालचंद जी जैन के परिवारजन
अमर चंद दीवान-उषा दीवान, नेमीचन्द-ज्योति (पुत्र-वधु), शुभम, अंशुल, नैतिक, रचित व दिव्या-मयूर जी बड़जात्या (पौत्र, पौत्री-दामाद) सहित समस्त दीवान परिवार खोरा बीसल, झोड़वाड़ा, जयपुर - 302012 मो. 9928852440

आ. विद्यासागर जी महाराज

क्षमावाणी पर्व पर विगत वर्ष में हुई भूलों के लिये आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित

प्रमाणसागर जी महाराज

क्षमा प्रार्थी

परवेश जैन मीनाक्षी जैन

प्रसिद्ध समाजसेवी व दानवीर -स्व. श्री सलेख चंद जैन एवं स्व. श्रीमती शान्ती देवी जैन के परिवारजन, परवेश कुमार जैन - मीनाक्षी जैन, प्रांशु जैन - श्वेता जैन, परितेश, प्रिशा, लब्धी जैन सहित सभी परिवारजन, सहारनपुर वाले, जयपुर

आवासः 31, गायत्री नगर, चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर, थाना जयपुर-302015 (राज.) मो. 9024074666

सम्पूर्ण दवाईयां निशुल्क उपलब्ध

राजाबाबु गोधा, संवाददाता

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अंतर्गत संत श्री सुधा सागर आवासीय कन्या महाविद्यालय एवं आचार्य ज्ञान सागर महाविद्यालय एवं छात्रावास के छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए परिसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ किया गया है, इसमें छात्र एवं छात्राओं के अलावा श्रेत्र की आसपास की जनता को इस केंद्र का लाभ मिल सकेगा। इस नवीन केंद्र में टोंक क्षेत्र के पीएमओ पद से रिटायर्ड डॉक्टर जगदीश नारायण (एम.बी.बी.एस फिजिशियन) अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। उक्त संस्थाओं में अध्यनरत छात्र-छात्राओं की संपूर्ण दवाइयों की निःशुल्क व्यवस्था दानवीर, भामाशाह श्रेष्ठी श्री उत्तम कुमार जी पांड्या (खोरा बिसल) मालवीय नगर जयपुर वालों की ओर से की जाएगी। उक्त कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉक्टर शीतलचंद जैन, कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, मानद् मंत्री सुरेश कुमार जैन, उपाध्यक्ष उत्तम कुमार पांड्या, संयुक्त मंत्री दर्शन कुमार जैन (बस्सी वाले), सदस्य मुकेश बैनाड़ा, प्रा. अरूण कुमार जैन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के मंत्री सुरेश कुमार जैन ने सभी आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

'क्षमा वीरस्य भूषणम्'

आत्म शुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पावन अवसर पर आपके द्वारा व्रत उपवास किये जाने पर बधाई एवं शुभकामनायें

-: शुभाकांक्षी :-

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति 63/111, हीरा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020

संरक्षक	अध्यक्ष	मंत्री
हंसराज लुहाड़िया	धनकुमार कासलीवाल	सुरेन्द्र कुमार जैन

उपाध्यक्ष-उत्तम चंद बोहरा, संयुक्त मंत्री-दिनेश कुमार कासलीवाल, कोषाध्यक्ष-विमल जैन, संगठन मंत्री-सुरेश कुमार छाबड़ा, सांस्कृतिक मंत्री-बाबूलाल बिन्दायका, भंडार मंत्री-प्रकाश चंद पाटनी, भवन निर्माण मंत्री-महेन्द्र कुमार बड़जात्या, कार्यकारिणी सदस्य-हीरालाल सेठी, राजेन्द्र कुमार सोनी, विनोद जैन, ताराचन्द पाण्ड्या, विशिष्ठ मनोनीत सदस्य-पंकज कुमार छाबड़ा, विशाल ठोलिया, राजेन्द्र कुमार सोगानी, सुभाष चंद गोधा, देवेन्द्र कुमार वैद व राजेन्द्र प्रसाद गोधा सहित समस्त सदस्यगण।
मो. 9314503719, 9414359660, 9829087096

क्षमावाणी के परम पुनीत स्वर्णिम सुअवसर पर हृदय के गहन स्थल से अन्तर्मन मन से हार्दिक क्षमा याचना

'क्षमा वीरस्य भूषणम'

देव प्रकाश खंडाका जयपुर

श्रीमती कल्पना खण्डाका एवं आदर्श खण्डाका, तृप्ति खण्डाका एवं समस्त खण्डाका परिवार, जयपुर (राज.)

प्रतिष्ठान- देव प्रकाश खण्डाका सर्राफ एण्ड कम्पनी ज्वैलर्स गोल्ड एवं सिल्वर ज्वैलर्स

सतीश खंडाका जयपुर

179- किशनपोल बाजार, जयपुर (राज.) 302001 फोन नं.- 0141-2313635, 2205822

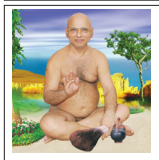

'क्षमा वीरस्य भूषणम'

आत्म शुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पावन अवसर पर आपके द्वारा व्रत उपवास किये जाने पर बधाई एवं शुभकामनायें

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

धर्मचंद पहाड़िया

राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष
राष्ट्रीय प्रमुख तीर्थ संरक्षिणी गुल्लक योजना
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा

कार्यालयः श्री मेंशन, 22 गोदाम, जयपुर
फोनः 0141-2218282 मो. 9829054646

क्षमावाणी पर्व पर विगत वर्ष में हुई भूलों के लिये आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित

क्षमा प्रार्थी

श्री सुनील पहाड़िया-श्रीमती नीना पहाड़िया
(पूर्व अध्यक्ष दिगम्बर जैन मंदिर, थडी मार्केट, अग्रवाल फार्म मानसरोवर)
महामंत्री धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत

-: शुभाकांक्षी :-

रोमिका-सारंग काला चंदलाई वाले, अर्पिता-अंकित पाटोदी (नावा वाले), सोनीपत (बेटी दामाद), सुजय, राजवी, सुयश और मौलिक (दोहिता-दोहिती) तथा समस्त पहाड़िया परिवार जयपुर (राजस्थान)

निवासः 111/423 अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान)
मो. 93149-95657, 93148-95657

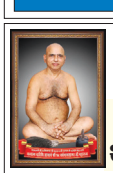

'क्षमा वीरस्य भूषणम'

श्री पर्यूषण पर्व की भारतवर्ष के समस्त श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामना व गतवर्ष जाने अनजाने में हुई गल्तियों के लिए क्षमा याचना

शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी

राजाबाबू गोधा जैन

जैन गजट संवाददाता-राज. फागी, जिला जयपुर (राज.) मो. 9460554501

विनीत सागर महाराज वचन

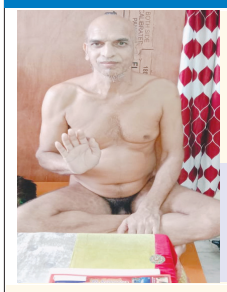

संसार समुद्र से तरने के लिए नंदीश्वर द्वीप के 52 जिन चैत्यालय 52 नौका ही जानो

परम - प्रभावक पट्टाचार्य, वात्सल्य मूर्ति, सरल स्वभावी, चारित्र रत्नाकर, विद्या वारिधि, क्षेत्र जीर्णोद्धारक आचार्य श्री विनित सागर जी महाराज का श्योपुर-प्रतापनगर, सांगानेर में चातुर्मास सानंद चल रहा है

-: नमनकर्ता :-

....
....
....
....
....
....

संकलन: R. K. Advertising शेखर पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट
मो - 09667168267 email: rkpatni777@gmail.com

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

सदस्यता विकास उप समिति

गजराज जैन गंगवाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रकाशचन्द्र बड़जात्या
राष्ट्रीय महामंत्री

महासभा का सदस्य बनने हेतु समाज से विनम्र निवेदन

1- केंद्रीय स्तर पर 'आजीवन सदस्य'- (अवधि 10 वर्ष) - कुल शुल्क (जैन गजट के शुल्क 9,900/- सहित) रु. 11000/- जैन गजट साप्ताहिक मुख पत्र 10 वर्ष तक भेजा जायेगा।

2- साधारण आजीवन- महासभा की प्रांतीय आजीवन सदस्यता- 10 वर्ष-1100/-(ग्यारह सौ) रूपये। इसके द्वारा बने सदस्यों को संस्था का साप्ताहिक मुख पत्र जैन गजट 10 वर्ष तक डिजिटल रूप में भेजा जायेगा।

Scan And Pay

आप घर बैठे अपने मोबाइल फोन के किसी भी पेमेंट एप से "स्कैन एंड पे" द्वारा उक्त सदस्यता राशि भेजकर कृपया सूचित करें।

3- 'मंदिर/संस्था सदस्यता'- श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा में दिगम्बर जैन मंदिर एवं दिगम्बर जैन सामाजिक संस्थाओं की सदस्यता हेतु 5100/- रुपए। इसके अंतर्गत बने सदस्यों को महासभा द्वारा प्रकाशित जैन गजट साप्ताहिक डाक द्वारा 10 वर्ष तक भेजा जायेगा तथा सदस्य बनने वाली दिगम्बर जैन मंदिर/दिगम्बर जैन सामाजिक संस्था का नाम व स्थान जैन गजट में एक बार प्रकाशित किया जायेगा। यह सदस्यता केन्द्रीय स्तर पर होगी तथा इनके द्वारा (मंदिर/संस्था द्वारा महासभा सदस्यता फार्म के साथ) नाम आने पर एक प्रतिनिधि को संस्था का केन्द्रीय सदस्य मनोनीत किया जायेगा। यह राशि पीएनबी राजेन्द्रनगर ब्रांच लखनऊ (उ. प्र.) पिन कोड- 226004 में 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' के सेविंग एकाउंट नंबर 2405000100033312 में जमा किया जा सकता है, कार्यालय में नगदी दिया जा सकता है, या चेक, मनीऑर्डर, बैंक ड्राफ्ट या ऑनलाईन RTGS/NEFT के लिए, IFS CODE-PUNB 0185600 जमा कराकर तथा सदस्यता फार्म भरा हुआ भेजकर सूचित करें।

महीपाल पहाड़िया, जालंधर
अध्यक्ष-सदस्यता विकास उप समिति
मोबा. 8000007783

संदीप जैन, गुरुग्राम
मंत्री- सदस्यता विकास उप समिति
9810085563

क्षमावाणी के शुभ अवसर पर सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान साधुसन्तों के पावन चरणों में नमन

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

कैलाशचन्द्र एवं श्रीमती स्नेहलता बैनाड़ा

ज्ञान चंद, सुनिल-अनिला, (भाई-बहू)
अमित-प्रीति, (पुत्र-पुत्रवधू) भव्य, सानवी (पौत्र, पोत्री)
सहित समस्त बैनाडा परिवार सांगानेर

पता: 52, चित्रकूट कॉलोनी, एयरपोर्ट सर्किल, सांगानेर, थाना जयपुर (राज.)

क्षमावाणी के शुभ अवसर पर सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान साधुसन्तों के पावन चरणों में नमन

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

अरूण शाह श्रीमती ज्योति शाह

(भारतीय जीवन बीमा विकास अधिकारी, जयपुर,
उपाध्यक्ष-श्री दिगम्बर जैन मंदिर महारानी फार्म, गायत्री नगर, जयपुर, सदस्य-संस्कृत महाविद्यालय जयपुर, सदस्य-महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद् जयपुर, आलोक शाह-प्रमिला शाह, मेजर अर्जित-स्नेहा शाह (पुत्र-वधु), विरल शाह (पुत्र), आयुषी-अनुमेष जी सेठी (बेटी-दामाद) व समस्त शाह परिवार, जयपुर

आवासः- सुधा जीवन, 299-गायत्री नगर ए, महारानी फार्म, दुर्गापुरा-302016, 9821059365

विजयवाड़ा जैन समुदाय के प्रतिनिधि मण्डल ने की आंध्र प्रदेश के राज्यपाल से मुलाकात

विजयवाड़ा। जैन समुदाय के एक प्रतिनिधि मण्डल ने आंध्र प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदय श्रीयुत एस. अब्दुल जी नजीर साहब से राज भवन में आंध्र प्रदेश जैन कल्याण निगम के अध्यक्ष मनोज कोठारी के नेतृत्व में मुलाकात कर महामहिम को विद्या के देवी मां सरस्वती की प्रतिमा भेंट की उसके बाद अल्पसंख्यक वर्ग के जैन समुदाय के शैक्षिक उत्थान के लिए मेडिकल व इंजीनियरिंग महाविधालयों में सीटें आरक्षित करने की मांग की। इस पर महामहिम राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने जैन समुदाय की मांग को न्यायोचित बताते हुए उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सुरेश टाटिया, अशोक सांघवी, अशोक गोलेचा, कमलेश फोल्हा मुथा आदि जैन समुदाय के कई प्रतिनिधि शामिल थे।

देश भर में पर्यूषण पर्व की धूम

उत्तम क्षमा धर्म की पूजा के साथ 10 दिवसीय दसलक्षण महापर्व की आज हुई शुरुआत, देश भर के जैन मंदिरों में हो रहे हैं विशेष धार्मिक आयोजन, दिगंबर जैन समाज के 10 दिवसीय दसलक्षण पर्व उत्तम क्षमा धर्म के साथ शुरू हुए, ये पर्व 28 सितंबर तक चलेंगे व अनंत चतुर्दशी पर दस दिवसीय महापर्व का समापन होगा। 30 सितंबर को क्षमावाणी का पर्व मनाया जाएगा।

आचार्य शांतिसागर निलय का हुआ भव्य शिलान्यास

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बाडा पदमपुरा, जयपुर में दिनाँक 17 सितम्बर 2023 को चारित्र चक्रवर्ती प्रथमाचार्य श्री शांतिसागरजी महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की श्रृंखला में 68वें समाधि दिवस के अति पावन अवसर पर वात्सल्य वारिधि परम पूज्य आचार्य श्री वर्धमान सागरजी महाराज की पावन प्रेरणा से परम पूज्य आचार्य श्री चैत्यसागरजी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में चरण छत्तरी के पास आचार्य शांतिसागर निलय का भव्य शिलान्यास सम्पन्न हुआ। पदमपुरा की प्रबंध समिति ने इस अवसर पर 68 कमरों के अतिशीघ्र निर्माण करवाने का संकल्प लिया है।

पृष्ठ 05, 15 एवं 16 पर प्रकाशित विज्ञापनों के प्रयासकर्ता- राजाबाबू गोधा, फागी - संवाददाता जैन गजट- राजस्थान है

क्षमावाणी के शुभ अवसर पर सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान साधुसन्तों के पावन चरणों में नमन

बधाईयां एवं मंगलमयी शुभकामनाऐं

श्रीमती ललिता देवी चांदवाड़

धर्मपत्नी स्व. श्री बृजेश कुमार चांदवाड़, वरूण-श्रीमती सोनिया, विनीत-रश्मि (पुत्र-वधु), वंश, रूहिका चांदवाड़ (पौत्र-पौत्री), श्वेता-मनीष जी जैन (बेटी-दामाद) सहित समस्त चांदवाड़ परिवार

प्रतिष्ठान: चांदवाड़ फाइनेन्स ब्रोकर, 769, बोरडी का रास्ता, किशन पोल बाजार, जयपुर (राज.) मो. 9314037392, 9828021195
निवास: ए-86, सिद्धार्थ नगर, टोंक रोड, जयपुर-302017 (राज.)

आत्म शुद्धि के महान दशलक्षण पर्व के समापन एवं क्षमा पर्व मन वचन काय से प्राणी मात्र से

क्षमा प्रार्थी

शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी: ओम प्रकाश शर्मा-श्रीमती विमला देवी शर्मा, नीरज शर्मा-श्रीमती स्वेता शर्मा (पुत्रवधु), नीलम (पुत्री), गोरांग व तनिष्क (पौत्र)

नीरज शर्मा 9829139519, 9829021639, 9414250091

वन्दना आर्ट पैलेस (निर्माता एवं विशेषज्ञ)

संगमरमर एवं धातु की जैन मूर्ति, वैष्णव मूर्ति, स्टेच्यू, वेदी एवं छतरी
निवास - 260, वसुन्धरा कॉलोनी, गोपालपुरा बाईपास, टोंक रोड, जयपुर-18 फोन- 0141-2711615
E-mail- info@vandanaartpalace.com Web : www.vandanaartpalace.com
कार्यालय: 3279, भिण्डो का रास्ता, राजाराम धर्मशाला के पास, दूसरा चौराहा, चांदपोल बाजार, जयपुर- 01

क्षमावाणी के शुभ अवसर पर सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान साधुसन्तों के पावन चरणों में नमन

शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी

नरेश कासलीवाल

(प्रचार प्रभारी त्रिवेणी नगर दिगम्बर जैन समिति)
श्रीमती नीना कासलीवाल (धर्मपत्नी)
प्रियांक कासलीवाल (पुत्र)

18, ए, विश्वेशरिया नगर, गोपालपुरा बाईपास, त्रिवेणी रोड, जयपुर मो. 9462191401

हमारे द्वारा जाने अनजाने में मन वचन और काया से आपको दुख पहुंचाया हो तो पर्यूषण महापर्व पर हम आपसे क्षमा याचना करते हैं।

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

राजकुमार जैन 09993034735

राज मेटल्स

मोती के चवर, गोटा के चवर, छत्र, भामण्डल, मंगल कलश पंचमेरू, शिखर कलश, पाण्डुक शिला, अष्ट प्रातिहार, अष्ट मंगल, सिंघासन, जिनवाणी कवर, ध्वजा, अक्षार, चंदोवा, पटके, मुकुट हार, बैच एवं मंदिर आईटम के निर्माता एवं विक्रेता

राजकुमार जैन, फूटाताल स्कूल के पास, 702, हनुमानताल, जबलपुर (म.प्र.) 482002

आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी के दर्शन के लिए उपमुख्यमंत्री पधारे

धर्मनगरी बड़ौत के अतिथि भवन में जैनाचार्य राष्ट्र संत परम पूज्य चर्या शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज एवं ससंघ के उत्तर प्रदेश के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी का मार्गदर्शन जीवन में सकारात्मकता का प्रवाह कर नई ऊर्जा से मानव सेवा को संकल्पित रहने की प्रेरणा देता है,उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस दौरान गुरुदेव से विविध समसामयिक विषयों पर व्यापक चर्चा हुई, आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज द्वारा रचित काव्य 'सत्यार्थ बोध आशीर्वाद स्वरूप प्राप्त हुई, यह काव्य मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने की राह दिखाता है

जैन समाज को पुनः मिली सौगात

इंदौर (मध्य प्रदेश)। श्री महावीर जी पर इंदौर से जाने वाली व आने वाली ट्रेन हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस का महावीर जी स्टेशन पर पश्चिम रेलवे बोर्ड ने निर्णय कर जैन समाज के सिद्धक्षेत्र पर यात्रियों की सुविधाओं के लिए ट्रेन का स्टॉपेज पुनः शुरू कर दिया गया है।

श्रद्धांजलि

छठवीं पुण्य तिथि

श्रद्धांजलि

जन्म
10 मई, 1957
दांता रामगढ़
जिला-सीकर राज.

महाप्रयाण
25 सितम्बर,
2017
लखनऊ

10/05/1957 - 25/09/2017

हमारे प्रेरणास्त्रोत, धर्मनिष्ठ, मुनिभक्त , परम उदार एवं सरल स्वभावी, व्यवहार कुशल

स्व. श्री ज्ञानचन्द जी जैन बाकलीवाल

(दांता रामगढ़ जिला सीकर (राज.) निवासी - लखनऊ प्रवासी)

हमारे प्रेरणा स्रोत, जिनका संयमित सत्यनिष्ठ समन्वयवादी, आगम, देव शास्त्र गुरु के प्रति समर्पित जीवन सदैव एक दीप स्तंभ की तरह हम सभी के जीवन को आलोकित करता रहेगा।

दिनांक 25 सितम्बर, 2023 को छठवीं पुण्य तिथि पर हम आपको हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

-: श्रद्धासुमन अर्पितकर्ता :-

श्रीमती गिनिया देवी जैन (धर्मपत्नी)
विकास - तृप्ति, विशाल - नेहा, अंकित-पूनम (पुत्र-पुत्रवधु)
गर्व, रेयांश जैन (पौत्र), अक्षिता जैन (पौत्री)

-: प्रतिष्ठान :-

मैसर्स ज्ञान जी ट्रेडिंग कम्पनी
ए. वी. एम. फूड एन्ड बेवरेज

आवास : गुलमर्ग अपार्टमेन्ट, फ्लैट नं. सी-403, ऐशबाग रेलवे स्टेशन के पास, मोतीनगर, लखनऊ-4 (उ.प्र.)

नोट : गतांक 18 सितंबर 2023 के अंक में पृष्ठ 10 पर प्रकाशित इस विज्ञापन में छठवीं पुण्यतिथि 2023 की जगह 2022 प्रिंट हो गया, जिसके लिए खेद है। -संपादक

शास्त्र को जानकर भी जो आचारण नहीं करता वह सबसे बड़ा अज्ञानी

- आचार्य सौरभ सागर जी

पुनीत जैन

जयपुर। धर्मनगरी छोटी काशी के नाम से विख्यात पिंकसिटी जयपुर शहर के प्रताप नगर में चल रहे गणाचार्य पुष्पदंत सागर महाराज के शिष्य, जीवन आशा हॉस्पिटल के प्रेरणास्त्रोत आचार्य सौरभ सागर महाराज ने चौथे दिन शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के संत भवन में कहा कि निश्चय गुरु के पास पहुंचने के लिए, व्यवहार गुरु के पास जाना जरूरी है, क्योंकि व्यवहार पथ है, निश्चय मंजिल है, व्यवहार भोजन है, निश्चय शक्ति है। व्यवहार साधन है, निश्चय साध्य है। व्यवहार नींव है, निश्चय कलश है। परमात्मा एवं शास्त्र मील के पत्थर हैं। इसमें परमात्मा नहीं है पर परमात्मा तक पहुंचने के इशारे हैं। प्रारंभिक अवस्था में इसका अवलम्बन लेना आवश्यक है। निश्चय में पहुंचने के उपरांत ये बाहरी साधन अपने आप छूट जाते है। आचार्य श्री ने कहा कि निराकार परमात्मा एवं निराकार ध्वनि तक पहुंचने के लिए साकार परमात्मा और शास्त्र का अवलम्बन जरूरी है। बीज के अभाव में वृक्ष की आकांक्षा करना अपनी अज्ञानता प्रकट करना है। परमात्मा सर्वव्यापी अवश्य है पर उसकी आकृति सर्वव्यापी नहीं है, आकृति में कैद करके परमात्मा को पूजना मूर्खता नहीं निराकार को सब कुछ मान निठल्ले बैठ जाना आराधना, पूजा वंदना आदि न करना मूर्खता है। परमात्मा की प्रतिमा को पूजकर आत्मा की प्रतिभा जागृत करने का पुरुषार्थ करना सम्यक पुरुषार्थ है। कार्याध्यक्ष दुर्गालाल जैन ने कहा कि आचार्य सौरभ सागर महाराज की प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे से संत भवन में प्रवचन श्रृंखला आयोजित हो रही है, जिसमें जयपुर सहित देश भर से श्रद्धालुगण ज्ञान की गंगा का रसपान कर अपने जीवन को सफल बनाने की राह की ओर अग्रसर होते हैं।

मन रखना है

-कु. विदुषी जैन, लखनऊ

पर्युषण की शुभ बेला में,
हम दीप सजाकर लाए हैं।
अज्ञान अंधकार दूर करो,
हम यही भावना भाए हैं।।
दस धर्म दस औषधि है,
जन्म जरा की हरती बिमारी।
धर्म ज्ञान की गंगा बहती,
कहती प्रभु की जिनवाणी।।
आओ मिल करते स्वागत,
आया सुन्दर ये पर्व महान।
नाचो गाओ धूम मचाओ,
करो प्रभु का नित गुणगान।।
विदुषी आज करे चिन्तन,
आत्म जागरण करना है।
पर्वराज के इन दस दिन में,
प्रभु भक्ति में मन रखना है।।

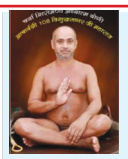

'क्षमा धर्म का द्वार'
क्षमा शीतल तीर है, क्षमा परम-अमृत है,
क्रोध वात्सल्य-प्रेम-अपनत्व नाश कर देता है।
क्षमा जीवन का अलंकार है।

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

Anil Jain Urmil Jain
(Canada)
Mrs. Urmil Jain
Astrovastu Expert
Vastu & Astro Solution
9958371674, 8920111034

लाला शिखर चंद जी जैन बड़ौत वाले सपरिवार

श्री दशलक्षण की सम्पन्नता पर महापर्व क्षमावाणी के अवसर पर जाने-अनजाने में मन-वचन-काय से हुई भूलों के लिए हृदय से क्षमा याचना

इंजी. कैलाश चन्द्र जैन
महासचिव- बुन्देलखण्ड सांस्कृतिक एवं सामाजिक सहयोग परिषद, लखनऊ,
सह महासचिव एवं प्रांतीय प्रकल्प संयोजक-
भारत विकास परिषद, अवध प्रान्त, उत्तर मध्य क्षेत्र-2,
कार्यकारिणी सदस्य- श्री दिगम्बर जैन मंदिर, इंदिरा नगर, लखनऊ,
सदस्य- भारतीय जैन मिलन (साकेत) लखनऊ मो. 9415470146
निवास: 9/336, सेक्टर-9, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016

विगत वर्ष में हमसे कोई गलती या भूल हुई हो तो हृदय से क्षमा प्रार्थी हैं।

श्रीमान अशोक जैन पहाड़िया-श्रीमती मन्जू जैन पहाड़िया
अनिरूध जैन पहाड़िया-श्रीमती सपना पहाड़िया
अविश्वन जैन पहाड़िया-श्रीमती पल्लवी पहाड़िया
आरजव, अव्यान, अनाया, अद्वैत पहाड़िया
निवास: बी-97, तलबण्डी, कोटा (राज.)

मेरा समस्त जीवों के प्रति मैत्री भाव बना रहे, सब जीव मुझे क्षमा प्रदान करें, मेरा क्षमा भाव बने, कर्म क्षय का उपाय प्रयत्न करूं, मेरा समाधिमरण हो, चारों गतियों में मेरे भाव निर्मल रहें यही मेरी कामना भावना प्रार्थना है

क्षमा प्रार्थी

राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन
पार्श्वमणि पत्रकार-श्रीमती सारिका जैन
ए 145, आर.के.पुरम, कोटा (राज.)
9414764980

उत्तम क्षमा
शुभाकांक्षी
एवं
क्षमा प्रार्थी

क्षमावाणी पर्व पर आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित क्षमा प्रार्थी

सुरेश कुमार जैन-श्रीमती कृष्णा जैन, पुत्र-प्रियांस जैन, पूनम जैन, प्रासी जैन, कोटा (राज.)
-: प्रतिष्ठानः-
महारानी चाय के विक्रेता,
सरोवर टाकीज के पास, कोटा,
मो. 9352611255

क्षमावाणी पर्व पर आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित
क्षमा प्रार्थी
आचार्य विराग सागर महाराज ससंघ नमोस्तु

अनिल कुमार जैन मित्तल
(अध्यक्ष संयुक्त व्यापार मण्डल, नैनवां जिला-बूंदी)
श्रीमती कृष्णा मित्तल, तनमें (पुत्र), अवनी (पुत्री)
नैनवां जिला-बूंदी
मो. 9214434912

क्षमावाणी पर्व पर आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित
क्षमा प्रार्थी

महावीर कुमार जैन, जैन गजट संवाददाता, नैनवां, श्रीमती गुणमाला, अविनाश, दिव्या, नितिन, चारू जैन, परी जैन, अर्हम जैन, मिनी जैन आदि समस्त परिवारजन
निवासः सुरेश नगर, मकान नं. 16/17, दुर्गापुरा जैन मन्दिर के पास, जयपुर मो. 9414963129
जैन समाज के सभी विज्ञापन समाचारों के लिए सम्पर्क करें नैनवां - 9414963129

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

-: प्रतिष्ठान :-

ASHOK JAIN
94141-89971

ASHWIN JAIN
09829335566

ASHOK OIL COMPANY
Near Allahbad Bank, Jhalawar Road, Kota-324007 (Rajasthan)
Phone : 0744-2363971, 2361786 E-mail : aoc.kota@gmail.com

क्षमावाणी पर्व पर विगत् वर्ष में हुई भूलों के लिये आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित
-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

कमल कुमार-श्रीमति गुणमाला जैन
मोहनलाल जैन मारवाड़ा-श्रीमती राधा जैन,
अनिस-शालू मारवाड़ा, पम्मी, प्रथा जैन
मारवाड़ा, नैनवां, बूंदी (राज.)
-: प्रतिष्ठान :-
कमल जैन (मारवाड़ा)
अध्यक्ष दिगम्बर जैन
बीसपंथ समाज नैनवां
के. पी. ज्वैलर्स-9214408656
के. पी. एण्ड संस-9252320000
के. पी. फिलिंग स्टेशन पेट्रोल पम्प, नैनवां
हमारे यहाँ पर शुद्धता के आभूषण मिलने का एक मात्र स्थान

शन्ना जैन पाटनी ने गौरवान्वित किया

प्रकाश पाटनी, संवाददाता

भीलवाड़ा, 18 सितंबर। सुभाष नगर भीलवाड़ा की छात्रा शन्ना जैन पाटनी पिता संजय पाटनी ने यूजीसी नेट परीक्षा में श्रेष्ठ अंकों से उत्तीर्ण कर सफलता प्राप्त की। प्रकाश पाटनी ने बताया कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली से एम. ए अंग्रेजी भाषा में 82.5 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होने के बाद नेट जे. आर. एफ से यूजीसी नेट की परीक्षा वर्ष 2022 में 99.4 परसेन्टाइल अंक लाकर गौरवान्वीत किया है। छात्रा शन्ना जैन पाटनी ने बताया कि मुझे गवर्नमेंट एवं निजी क्षेत्र में असिस्टेंट प्रोफेसर पद का जॉब ऑफर्स मिला था। लेकिन मैंने उसे स्वीकार न कर आगे पीएचडी की पढ़ाई करने का निर्णय लिया। मेरे माता-पिता ने अच्छे संस्कार देखकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने को प्रेरित किया। उनके आशीर्वाद प्रेरणा से यूजीसी नेट परीक्षा में 99.4 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होकर उत्साहित हुई। अपने केरियर को ऊंचाइयों की ओर लाने के लिए आगे और पढ़ने का निर्णय लिया। उच्च शिक्षा से देश- विदेश में प्रशासनिक एवं निजी क्षेत्र के उच्च संस्थानों में कार्य करने का अवसर मिलेगा। हाल ही में बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस पिलानी विश्वविद्यालय गोवा में डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमैनिटीज एण्ड सोशल साइंस विषय में पीएचडी की पढ़ाई मे 26 अगस्त 2023 को प्रवेश लिया है।

आदमी अपने आपको पहचाने तभी राहत मिलेगी - विज्ञाश्री माताजी

दिगंबर जैन सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ गुंसी में वर्षायोग कर रहीं माताजी ने बताया कि जब बर्तन खराब होता है तो उसे मांजकर साफ कर लेते है, चेहरा खराब होता है तो उसे साबुन लगाकर साफ कर लेते है, वह कौन सी औषधि है जिससे हम अपने आपको सही करें, सबसे पहला उपाय अपने आपको पहचान लें, आज मनुष्य सारी दुनिया को जानता है पर खुद से अनजान बना हुआ है। खुद को जानने से ही जीवन को राहत मिलेगी ऐसा गुरु मां ने बताया। - महावीर सरावगी, संवाददाता

क्षमावाणी पर्व पर आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित क्षमा प्रार्थी

सुरेन्द्र कुमार जैन सिंघल (अध्यक्ष दिगम्बर जैन समाज, गोठडा वाले), पलाई जिला-टोंक (राज.)
श्रीमती रिंकु जैन, नवीन, हर्षित, यान्सी जैन पलाई, टोंक
मो. 8118875379

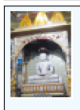

क्षमावाणी पर्व पर आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित
-: क्षमा प्रार्थी :-

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सांखना अध्यक्ष
श्री प्रकाश चन्द जी जैन सोनी,
फर्म: भंवरलाल गुलाब चन्द सोनी टोंक, सोनी ब्रोकर्स, टोंक (राज.)
फोनः 9414558485, 01432243292

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 1. गुरूजी जय जिनेन्द्र, मेरी बेटी 21 वर्ष की है। वह हास्टल में रहती है, मगर हमें लगता है कि वह नशा करने लगी है - कश्मीरी लाल, यमुनानगर (हरियाणा)

उत्तर - कश्मीरी लाल जी, बिटिया की कुंडली में चल रही राहु और शनि की दशा ऐसा करा सकती है, अतः आप बिटिया से कहें कि मुनिसुव्रतनाथ व नेमिनाथ जी का चालीसा पढ़ें तथा उसे मूंगा रत्न धारण करायें।

प्रश्न 2. गुरूजी, मेरे बेटे को पिछले 2 माह से लगातार बुखार चल रहा है। डाक्टरों की कुछ समझ नहीं आ रहा है। मन परेशान है क्या करें? - अनिता, दिल्ली

उत्तर - अनिता जी, बेटे को श्री भक्तामर स्तोत्र का 45वां काव्य रोजाना 9 बार सुनायें तथा मून स्टोन का लॉकिट सोमवार को गले में धारण करायें।

प्रश्न 3. व्यापार में लगातार नुकसान हो रहा है तथा कुछ समझ भी नहीं आ रहा, कर्जा बढ़ता जा रहा है, लेनदेन परेशान कर रहे है - अनुपम मोहन, झांसी

उत्तर - आपकी कुंडली में चल रही अष्टम भाव के स्वामी की दशा इसका मुख्य कारण है जो अभी दो साल और चलेगी तब तक समझदारी से काम लें। श्री भक्तामर स्तोत्र का 28वां काव्य पढ़ें लगातार।

प्रश्न 4. मेरी माता जी रात को सोते-सोते चिल्लाने लगती है। हमें डर लगता है - हिमांशु सोनी, चण्डीगढ़

उत्तर - माताजी की कुंडली के अनुसार राहु दशा के कारण ऐसा हो रहा है। माताजी के तकिये के नीचे 1 चाकू और मोर पंख रखें, अवश्य लाभ होगा तथा शाम को श्री चन्द्रप्रभु चालीसा सुनायें।

गुरु जी से संपर्क सूत्र-
9990402062, 8826755078

'क्षमा वीरस्य भूषणम'

**"सुखी रहें सब जीव जगत के, कोई कभी ना घबराये।
बैर-पाप-अभिमान छोड़कर, नित्य नये मंगल गायें।"**

शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी

अजीत पाटनी (CA), अध्यक्ष- नागालैण्ड श्रुत संवर्धिनी महासभा, उपाध्यक्ष- केन्द्रीय श्रुत संवर्धिनी महासभा एवं श्रीमती किरण पाटनी उपाध्यक्ष- केन्द्रीय महिला महासभा एवं (CA) श्रेया-प्रणय, हर्षिता CA, CFA (I) FRM व सर्वज्ञ, डीमापुर

Mob. 09436003237, 9436012880

सौरभ सागर वचन

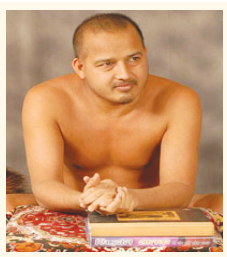

गुलाब का फूल कांटों के बीच भी अपनी गंध तथा स्वभाव को सुरक्षित रखता है, आपका अपने बारे में क्या ख्याल है।

पिच्छी लेकर नग्न रहे और केशलोंच जो करते हैं।
तन श्रृंगार रहित वह होकर, बाईस परिषह सहते हैं।
स्व आत्म कल्याण करे और पर को मार्ग बताते हैं।
सुलझाते हैं जो मन की ग्रंथियां निर्ग्रन्थ संत कहलाते हैं।

-: नमनकर्ता :-

राजूलाल जी बैनाडा पंचाला वाले
श्रीमती स्नेहलता सोगानी (अध्यक्ष महिलामंडल).....
.....
.....
.....

दिनेश चंद्र कासलीवाल प्रमुख समाजसेवी लाल हवेली वाले
रमेश जैन तिजारिया, जयपुर
.....
.....
.....

ज्ञानयोगी, संस्कार प्रणेता, जीवन आशा हॉस्पिटल प्रेरणास्रोत आचार्य सौरभ सागर जी का शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, प्रतापनगर सेक्टर 8 में चातुर्मास सानंद चल रहा है।

संकलन: R. K. Advertising शेखर पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट
मो - 09667168267 email: rkpatni777@gmail.com

प्रतापनगर जैन मन्दिर में हुई नवग्रह विधान की पूजा

शेखर चन्द पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता

जयपुर। आचार्य सौरभ सागर जी महाराज के सानिध्य में प्रताप नगर सेक्टर 8 स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में नवग्रह विधान का आयोजन किया गया। इसमें महिला मंडल की सभी सदस्यों ने आनंदपूर्वक भक्ति भाव से नवग्रह विधान में पूजा-अर्चना की। महिला मंडल की अध्यक्ष स्नेहलता सौगानी ने बताया कि इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य हेमलता, गुणमाला, आशा, इंदु मित्रपुरा, शशि प्रभा, मंजू टाक, मंजू बसवा, सुधा, संगीता सेठी, शकुंतला, इंदु पिपलिया सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं। प्रताप नगर में सौरभ सागर जी महाराज के सानिध्य में नवग्रह विधान नव-युवक मण्डल के दिशा-निर्देश में काफी हर्षोल्लास के साथ सम्पन हुआ। महिलाओं ने काफी बढ़-चढ़कर कर विधान में हिस्सा लिया। महिला मण्डल की लोकप्रिय अध्यक्षा स्नेहलता सोगानी ने जो आचार्य सौरभ सागर जी की वाणी (अनमोल सूत्र) जैन गजट में प्रकाशित होने पर इसे प्रतापनगर जैन समाज की बहुत बड़ी उपलब्धि बताया और स्वयं ने अपने नाम के साथ शुरूआत कर अपने को सौभाग्यशाली समझा और मुझे कहा कि पाटनी जी इस वाणी से कितना समाज में सुधार होगा, इससे समाज को बहुत बड़ी प्रेरणा मिलेगी, इस वाणी को पढ़कर भावों में पवित्रता और परिणामों में निर्मलता स्वमेव प्रगट होगी। साथ ही प्रायः देखा जाता है कि चातुर्मास के बाद महाराज कहां विराजमान हैं। उनके भक्तों को भी मालूम नहीं रहता है। इस वाणी से आचार्य श्री का लेटेस्ट अपडेट उनके भक्तों को मिलता रहेगा कि शीतकालीन वाचना कहां हो रही है, ग्रीष्मकालीन वाचना कहां हो रही। वर्तमान में आचार्यश्री कहां विराजमान हैं। जैन गजट के माध्यम से पूरे भारत में यह जानकारी मिलती रहेगी जिससे भक्तों को उनके दर्शनों का लाभ मिलेगा। जैन गजट ही जन-जन तक जैन समाचार पहुंचाने का माध्यम है। समाज के अध्यक्ष कमलेश जी मित्तल व जिनेन्द्र जी (जीतु) आदि सभी जिन भक्तों का आचार्यश्री की वाणी प्रकाशित करवाने में काफी सहयोग है

आत्मानुभवी सम्यग्दृष्टि ज्ञानी जीव को
उत्तम क्षमा प्रकट होती है,
और आत्मानुभव की वृद्धि वालों को ही
उत्तम क्षमा बढ़ती है,
तथा आत्मा में ही अनन्तकाल को समा जाने वालों में
उत्तम क्षमा पूर्णता को प्राप्त होती है।

उत्तम क्षमा जहां मन होई, अन्तर बाहर शत्रु न कोई

आत्म शुद्धि के महापर्व पर्यूषण की पुनीत पावन बेला में गत वर्ष में जाने-अनजाने में, राग-द्वेष पूर्वक, मन वचन और काय से यदि आपका दिल दुखाया हो, कोई दुःख पहुँचाया हो तो सच्चे हृदय से क्षमा याचना करते हैं।

राज कुमार टोंग्या-श्रीमती सुनीता टोंग्या
अभिनव जैन, मेघा जैन, नेहा, खुशी, रूही

Rajkumar Tongya
Shrut Sanvardhini Mahasabha, Dream House, Godrej Building
G. S. Road, Ullu Bari, Guwahati, Assam
Cell : 09864027882

जैन गजट को संवाददाताओं की शीघ्र आवश्यकता है। आकर्षक कमीशन एवं अन्य लाभ योग्यतानुसार। संपर्क - 9415108233, 9415008344, 7607921391

जैन गजट की सदस्यता, विज्ञापन या सहयोग राशि 'जैन गजट' के पक्ष में पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर शाखा, लखनऊ- 226004 उ.प्र. में सेविंग खाता संख्या 2405000100102500 (RTGS/NEFT IFSC CODE - PUNB 0185600) में आनलाइन/चैक द्वारा जमा कराकर डिपोजिट स्लिप सहित अपने पूर्ण नाम-पते, पिन कोड सहित निम्न पते/वाट्सअप/ईमेल पर भेजकर सूचित करने की कृपा करें-

**जैन गजट कार्यालय- श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004
मोबा./वाट्सअप- 7607921391, मोबा. 7505102419**

Email: jaingazette2@gmail.com

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132

कोषाध्यक्ष
पवन गोधा
मो. 9311198985

प्रधान सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
शिवचरणलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
सुरेश जैन 'सरल', जबलपुर
मो. 09425412374
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com
dmahasabha@yahoo.com

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक प्रकाशक एवं मुद्रक
सुभाषचन्द्र गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, 5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता

वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से कोरियर से मंगाने पर अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र. रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन

देने हेतु सम्पर्क-
7607921391, 9415108233
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप ईमेल jaingazette2@gmail.com पर भेजें

परिणाम विशुद्धि से ज्ञान बढ़ता है तथा संक्लेश से ज्ञान घटता है - आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

परम पूज्य, वात्सल्य वारिधि, पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के चरणों में
शत् शत् नमन्

-: नमनकर्ता :-

प्रकाशचन्द - सरला देवी पाटनी
निवासी सुजानगढ़ प्रवासी शिलांग

नवरतनमल श्यामनगर जयपुर (अष्टम प्रतिमाधारी)

इन्द्रमणी देवी वुड़ीवाल धर्मपत्नी स्व. आनन्दीलाल जी वुड़ीवाल निखार फैशन्स, जयपुर

सुन्धासु कासलीवाल जयपुर

राजेन्द्र कटारिया अहमदाबाद

श्रीमती रत्नप्रभा सेठी गुवाहाटी

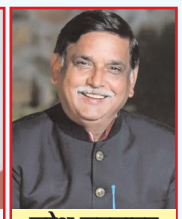

सुरेश सबलावत जयपुर

संजय पापड़ीवाल मदनगंज-किशनगढ

महावीर बोहरा जोधपुर

प्रेमचंद सेठी मेड़ता रोड (राज.)

अशोक कटारिया (निवाई वाले)

श्रीमती इन्द्रमणी देवी बाकलीवाल, सिल्चर

श्रीमती कंचन देवी विनायक्या
निवासी सीकर प्रवासी सूरत

शत् शत् नमन
शत् शत् वंदन
आचार्य श्री ससंघ उदयपुर में विराजमान हैं। आपका चातुर्मास उदयपुर में हो रहा है।

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

आचार्य श्री सुनील सागरजी महाराज-ससंघ के सान्निध्य में आयोजित एक महत्वपूर्ण जैन तीर्थ संरक्षण सम्मेलन में

जैन धर्म, जैन मूर्तियों, मंदिरों व तीर्थों की सुरक्षा व संरक्षण का आह्वान

रमेश चंद्र जैन एडवोकेट

नई दिल्ली। श्री दिगंबर जैन मंदिर ऋषभविहार में 17 सितंबर को आचार्य श्री सुनील सागरजी महाराज-ससंघ के सान्निध्य में आयोजित एक महत्वपूर्ण जैन तीर्थ संरक्षण सम्मेलन में जैन धर्म की प्राचीनता, जैन मूर्तियों, मंदिरों व तीर्थों की वर्तमान स्थिति, कानूनी विवादों तथा उनकी सुरक्षा व संरक्षण का जोरदार आहवान किया गया। समाज के चेयरमैन विजय जैन ने संचालन करते हुए रिशु जैन, दीप्ति जैन व रमेश जैन एडवोकेट नवभारत टाइम्स से सभा का मंगलाचरण कराया, संतों के चित्र अनावरण के बाद दीप प्रज्वलन हुआ। सम्मेलन का संचालन करते हुए संयोजक शरद जैन ने विचारणीय बिंदुओं- 1991 के अधिनियम के तहत तीर्थों की स्थिति, न्यायालयों के आदेश के बावजूद अनधिकृत कब्जे, मालखानों व म्यूजियम में रखी असंख्य मूर्तियों की कस्टडी, जैन धर्म की स्वतंत्रता, संवैधानिक सुरक्षा का अधिकार, आरटीआई के तहत कार्यवाही, गिरनार प्रकरण, सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर अंकुश आदि विषयों को बताते हुए विगत दिनों गिरनारजी, पालीताना, पावागढ, श्रीमहावीरजी में हरा झंडा लगाने, शिखरजी में आदिवासी विधायक के आपत्तिजनक भाषण, ग्वालियर में प्राचीन मूर्तियों की दुर्दशा, उदयगिरि-खंडगिरि, खजूराहो, तिरुपति, कोल्हुआ पहाड की स्थित, पद-विहार मे अनेक संतों के असामायिक निधन, सोनागिरि तीर्थ स्टेशन पर मंत्रालय का गाड़ियां न रोकने का पत्र, हाल ही में जी-20 समिट पर जारी सरकारी बुक में जैन धर्म की प्राचीनता पर दिए गलत तथ्य, अयोध्या में निकली जैन मूर्तियों आदि के चिंताजनक व दयनीय स्थिति के विडियो दिखाकर जनमानस को झकझोर दिया। सर्वप्रथम गिरनारजी का मुकदमा लड़ रहे सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ एडवोकेट विश्वेंद्र वर्मा ने अपने तथ्यपरक दस्तावेजों के साथ सारगर्भित व पुरातत्व विभाग, शास्त्रों तथा सरकारी दस्तावेजों में प्रमाणित तथ्य प्रस्तुत करते हुए सारी स्थिति स्पष्ट की और यकीन दिलाया कि कानूनी दृष्टि से हमारी स्थित मजबूत है। बस समाज को जागरुक होने की जरूरत है। उन्होंने मालखानों व म्यूजियम से मूर्तियों की कस्टडी लेने, एएसआई से फोरेंसिक जांच, जीआरपी सर्वे, संविधान में दिए अल्पसंख्यक अधिकारों को मेंटेन रखने पर भी जोर दिया। दिल्ली के पूर्व पुलिस उपायुक्त रहे प्रमुख समाजसेवी एस के जैन (आईपीएस) ने मंदिरों की सुरक्षा के लिए चारदीवारी बनाने, पिछले दरवाजों व खिड़कियों की चैकसी, समुचित रोशनी, सीसीटीवी नेटवर्क लगवाने उनकी मेंटीनेंस करने, सभी पदाधिकारियों को जागरुक रहने, मूर्तियों की पूरी जानकारी सुरक्षित रखने, स्टाफ का पुलिस वैरिफिकेशन कराने, पुलिस से तालमेल रखने व इन सबके लिए समाज की एकता पर जोर दिया। गृह मंत्रालय के जनगणना विभाग में वरिष्ठ अधिकारी मनोज जैन ने आगामी जनगणना में जैन लिखाने, भाषा के कालम में हिंदी के साथ-साथ प्राकृत भाषा लिखवाने की अपील करते हुए जैन धर्म की प्राचीनता पर सारगर्भित तथ्य प्रस्तुत किए। हरियाणा व पंजाब हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस बिजेंद्र जैन ने कहा कि हमने पाकिस्तान में मोहन जोदड़ो हडप्पा की खुदाई के अवशेषों में 5000 वर्ष पूर्व की जैन धर्म की प्राचीनता के सबूत देखे है, सारी दुनिया मानती है। पुराने ग्रंथों में प्रमाण है। आरटीआई तो रिवोलूशनरी एक्ट है, हमें इसका लाभ उठाकर न्यायिक प्रक्रिया से ही अपने अधिकार लेने चाहिए। अलवर से आए वरिष्ठ समाजसेवी, एडवोकेट खिल्लीमल जैन ने कहा कि गिरनारजी मामले में वे भी पार्टी है और मजबूती से केस लड़ रहे है, गिरनारजी गया नहीं है, उस पर अधिकार लेकर रहेंगे। हम जी 20 बुक के गलत तथ्यों पर भी आपत्ति दर्ज कराएंगे। सुप्रीम कोर्ट की एडवोकेट शशा जैन ने आरटीआई प्रोसेस अपनाने और समाज की एकजुटता पर जोर दिया। आचार्य श्री सुनील सागरजी ने सभी बातों पर समाज का आह्वान किया कि नई युवा टीम तैयार हो, पुराने पदाधिकारियों की सम्मानजनक विदाई के साथ नई टीम को उचित मार्गदर्शन मिले। समाज में फूट डालने वालों का डटकर बहिष्कार करो। हमें साधुओं, मंदिरों व मूर्तियों की सुरक्षा, जैन धर्म की प्राचीनता को सुरक्षित रखने के लिए हर हाल में बदलना होगा। हम जागेंगे तो जिएंगे, मूर्च्छा में चले गए तो मर जाएंगे। कुल्हाडी मारने वालों को सबक सिखाना होगा। हम में से प्रत्येक को संकल्प लेना होगा कि मैं रहूं या न रहूं, जिन धर्म रहना चाहिए। हमें संख्या बल भी बढ़ाना होगा। सभा में नेशनल कमीशन फोर माइनोरिटी इजुकेशन इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन, पूर्व जस्टिस एन के. जैन, पूर्व जज निर्मल जैन, महासमिति के अध्यक्ष मणीन्द्र जैन, जंबू प्रसाद जैन (अध्यक्ष, कविनगर गाजियाबाद), प्रवीण जैन (सांध्य महालक्ष्मी), महेश जैन, सुनील जैन, बिजेंद्र जैन (यमुनापार दि. जैन समाज), विश्व जैन संगठन के अध्यक्ष संजय जैन आदि सभी ने उपरोक्त तथ्यों से सहमति जताते हुए हर कार्य में अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया। समाज के अध्यक्ष सुनील जैन, महामंत्री विपुल जैन ने सभी विद्वत अतिथियों का अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया।

आचार्य श्री विशुद्ध सागर के सानिध्य में आयोजन ही-आयोजन

अनिल जैन (कनाडा)

परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव के ससंघ सानिध्य में बागपत जिले के बड़ौत में 25 अक्टूबर 2023 को दोपहर 1 बजे से भव्य जैनेश्वरी मुनि दीक्षा सम्पन्न होगी। आठ बाल ब्रह्मचारी भैया जी लेंगे मुनि दीक्षा। दिनांक 18 से 22 नबम्बर तक भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा सम्पन्न होगी। 25 नवम्बर 2023 को आचार्य श्री (ससंघ) 26 मुनिराजों के साथ दिल्ली लाल किला, लाल मंदिर में प्रवेश करेंगे। अभी तक आचार्य श्री 133 पंचकल्याणक प्रतिष्ठा करा चुके है। आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी के सानिध्य में दिनांक 30 नवम्बर से 5 दिसम्बर 2023 तक कांधला में दिनांक 10 से 15 दिसम्बर 2023 तक सहारनपुर में, 30 दिसम्बर से 4 जनवरी 2024 तक लघुसम्मेद शिखर, असावरपुर गाँव, सोनीपत, (हरियाणा) में तथा दिनांक 9 से 13 जनवरी, 2024 में सर्वोदय तीर्थ, धारूहेड़ा में 'पंचकल्याणक प्रतिष्ठा' में मंगल सानिध्य प्रदान करेंगे। तत्पश्चात आचार्य श्री (ससंघ) राजस्थान में सानिध्य प्रदान कर मध्य प्रदेश की ओर मंगल पग-विहार करेंगे। 22 से 26 फरवरी 2024 में आचार्य श्री धर्मस्थल रतलाम शीतल तीर्थ पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में सानिध्य प्रदान करेंगे। दिनांक 6 से 11 मई, 2024 में आचार्य श्री के ससंघ सानिध्य में गांधी नगर गोधा परिसर में इन्दौर में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में सानिध्य प्रदान करेंगे। आयोजन में देश-विदेश के 1008 जोड़े सम्मिलित होंगे। सम्पूर्ण आयोजन में 1 लाख लोग सम्मिलित होंगे। सम्पूर्ण व्यय गोधा परिवार द्वारा किया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक सुभाषचन्द्र गुप्ता द्वारा द इण्डियन एक्सप्रेस प्रा. लि. सी 26, अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया लखनऊ उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं श्री नंदीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग लखनऊ-226004 उ. प्र. से प्रकाशित, सम्पादक -सुधेश कुमार जैन

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92
Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on Every Monday, wednesday and thursday
डाक पंजीयन संख्या : SSP/LW/NP/115/2021-2023

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh, Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 9415108233, 7505102419 Web site- jaingaztte.com
email- jaingazette2@gmail.com whatsapp 7607921391

To,
.....
.....
.....

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-, दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।